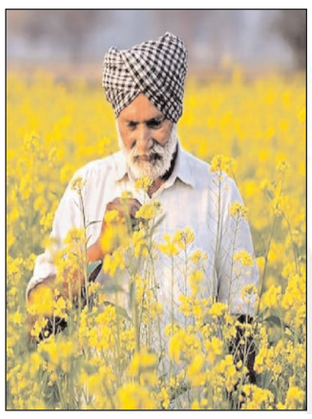


सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



तिलहन की खेती..... पेज: 6

नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने.... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 227 | शनिवार 21 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पीएम मोदी पर खरगे का आरोप...

अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ना ठहराएं

-आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में एफआईसीसीआई शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था, महंगाई और रोजगार को लेकर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगा मानो प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता हों और वे 12 साल बाद नींद से जागे हो।

अपनी पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस है और देश में सबसे अधिक दशक-औसत विकास दर कांग्रेस-यूपीए (यूपीए) के कार्यकाल के दौरान दर्ज हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सभी के लिए समान मौके की वकालत की है और बार-बार चेतावनी भी दी थी, लेकिन मोदी सरकार ने देश के सभी संसाधन अपने 1-2 करीबी पूंजीपति मित्रों को सौंप दिए और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) तथा छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी।

भारतीय उत्पादों की ब्रैंड वैल्यू पर चिंता जताकर कांग्रेस नेता खरगे ने लिखा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की कमी ने इनोवेशन को दबाया, विनिर्माण की गुणवत्ता को प्रभावित किया और भारतीय उत्पादों की विश्वसनीयता तथा वैश्विक ब्रांड वैल्यू को कमजोर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज, न नौकरियां हैं, न ही बचत, और महंगाई अपने चरम पर है। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को बंद कर दिया गया है, और मेक इन इंडिया को बाय फ्रॉम चाइना में बदल दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर पूंजीपतियों के एक चुनिंदा समूह को भारतीय अर्थव्यवस्था पर संरचनात्मक नियंत्रण हासिल करने की छूट देने का गंभीर आरोप लगाया, इस काम को वे एक आर्थिक आपदा मानते हैं।

दूसरी ओर, एफआईसीसीआई के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 सालों की उपलब्धियां गिनाई थीं। उन्होंने कहा था कि बीते 100 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने लाइसेंस-कोटा राज, राष्ट्रीयकरण के विफल प्रयोग और



21वीं सदी में कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने जैसे कई दौर देख चुके हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि बीते 12 वर्षों में हमारे युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने इस स्थिति को बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूती हासिल की है।

कावेरी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ने की तमिलनाडु की मांग खारिज

- -सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से किया इनकार, फसल प्रभावित होने का दिया गया था हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी नदी से कर्नाटक द्वारा तमिलनाडु के लिए 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार का कहना था कि पानी की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है और फसलें प्रभावित हो रही हैं। तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में राज्य में पानी की मौजूदा कमी का हवाला देते हुए कर्नाटक से अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पर्याप्त पानी नहीं मिलने से कृषि गतिविधियों पर असर पड़ रहा है और किसानों के सामने मुश्किलें पैदा हो रही हैं। तमिलनाडु की ओर से कावेरी नदी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया और तमिलनाडु की मांग खारिज कर दी। कावेरी जल बंटवारा कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच लंबे समय से संवेदनशील मुद्दा रहा है। मौजूदा मामले में भी तमिलनाडु ने पानी की कमी और किसानों की परेशानी को आधार बनाकर अतिरिक्त जल छोड़ने की मांग की थी, लेकिन अदालत से राहत नहीं मिली।

किरण बेदी को सरकार ने बनाया राष्ट्रीय मेंटर, प्रतिष्ठित हस्तियों का करेंगी मार्गदर्शन



नई दिल्ली , एजेंसी। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ किरण बेदी को सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद यानी एनसीटीई ने राष्ट्रीय मेंटर के रूप में शामिल किया है। किरण बेदी ने इससे पहले भी शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। किरण बेदी को यह जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की मेंटरिंग इनिशिएटिव फॉर टीचिंग, रिसर्च एंड असेसमेंट (मित्रा) पहल के तहत सौंपी गई है। इसका उद्देश्य देशभर के शिक्षकों को अनुभवी शिक्षाविदों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित हस्तियों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। जानकारी के मुताबिक इसके जरिए ऑनलाइन संवाद के जरिए शिक्षकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि उनके शिक्षण कौशल, व्यावसायिक दक्षता और विद्यार्थियों को सिखाने के परिणामों में सुधार किया जा सके। इस पहल से जुड़ने पर किरण बेदी ने कहा कि यह सेवानिवृत्त अधिकारियों, अनुभवी पेशेवरों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए समाज को योगदान देने का विश्वसनीय मंच है। उन्होंने शिक्षकों को केंद्र में रखकर तैयार की गई इस पहल की सराहना भी की है।

तेज हवाओं में एक तरफ झुक गया, पायलट ने स्विटरलैंड एयरपोर्ट पर कराई सुरक्षित लैंडिंग

- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, कतर का सरकारी प्रतिनिधिमंडल था सवार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विटजरलैंड के बर्न एयरपोर्ट पर एक जेट विमान की लैंडिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान लैंडिंग के लिए आगे बढ़ रहा है और वह तेज हवाओं से जूझ रहा है। ये तेज हवाएं विमान को झकझोर देती हैं। इस वीडियो में विमान के सुरक्षित उतरने से ठीक पहले का वह खतरनाक पल दिखाई देता है, जिसमें विमान लैंडिंग के अंतिम चरण में खराब मौसम से गुजर रहा है। ये हवाएं इतनी तेज थीं कि विमान डगमगा गया और एक तरफ झुक गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये विमान कतर के सरकारी प्रतिनिधिमंडल को लेकर आया था। विमान तेज क्रॉसविंड के बीच लैंडिंग करता नजर आया। 35 नॉट तक की तेज हवाओं के कारण विमान हवा में झुका लेकिन पायलट ने बड़ी सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग कराई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एविएशन फोटोग्राफर मैथियास हैनी ने कैमरे में कैद किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान पहाड़ों के बीच से गुजर रहा है और 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं।

खाटू श्याम मंदिर के पास रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, गैस सिलेंडरों में हुए धमाके

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम मंदिर के एग्जिट गेट के पास एक रेस्टोरेंट में आग लग गई है। ये हादसा ऐसे समय में हुआ जब खाटूश्याम के जन्मोत्सव के लिए भारी मात्रा में भीड़ जमा हुई थी। आग लगते ही भक्तों में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि आतिशबाजी की वजह से रेस्टोरेंट में आग लगी हो। दरअसल बाबा खाटूश्याम के जन्मदिन से पहले इलाके में आतिशबाजी पर बैन लगा दिया गया था लेकिन बताया जा रहा है कि बैन के बावजूद लोगों ने खूब पटाखे फोड़े और इधर उधर फेंके। ऐसे में आग लगने का एक कारण आतिशबाजी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग तुरंत पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई जिसकी लपटें काफी दूर से ही देखी जा सकती थीं। आग फैलने के बाद अंदर रखे दो दर्जन से ज्यादा गैस सिलेंडरों में से चार में धमाके हुए। घटना की सूचना मिलते ही लोग और व्यापारी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने की कोशिशें की।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में केसीपी से जुड़ा एक उग्रवादी ढेर, कई गिरफ्तार

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने एनकाउंटर में एक उग्रवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल पटसोई पुलिस स्टेशन इलाके के अंतर्गत युरेम्बाम में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया। एक अधिकारी ने बताया कि फायरिंग में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के गुट से जुड़ा एक उग्रवादी मारा गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन के कई उग्रवादियों को अरेस्ट भी किया है। ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले हाल में दिल्ली में प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का वांटेड उग्रवादी पकड़ा गया था। बाद में उसे मणिपुर पुलिस को सौंप दिया गया था। बता दें मणिपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में मई, 2023 में घाटी में रहने वाले मैती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मणिपुर की इस जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ-ईस्ट के मणिपुर में रहने वाले मैतेई जोकि गैर-जनजातीय बहुसंख्यक समुदाय है और मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहता है, के साथ कुकी जोकि अनुसूचित जनजाति समुदाय और प्रमुख रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में बसा है, के बीच जमीन पर अधिकार, रिजर्वेशन और पहचान से जुड़ा जातीय संघर्ष है। यह मई 2023 में बड़े पैमाने पर हिंसा में बदल गया था। मैतेई समुदाय के लोग लंबे वक्त से खुद को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुकी समुदाय के लोग इसका विरोध करते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे सरकारी नौकरियों, रिजर्वेशन और संसाधनों में उसका भाग प्रभावित हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला: साइबर धोखाधड़ी में आरोपी तय नहीं कर सकता एफआईआर का स्थान

नई दिल्ली , एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों के मामलों में कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित उसके खिलाफ किस स्थान पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराएं। शीर्ष अदालत ने वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिक्री से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी भूमि पटेल द्वारा विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका को खारिज किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गुजरात के गांधीनगर और हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज



आपराधिक मामलों को एक साथ नत्थी करने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क दिया कि जांच में समानताएं होने को आरोपी को लाभ पहुंचाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायमूर्ति बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई आरोपी विभिन्न राज्यों की पुलिस को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले कथित अपराधों की जांच करने से नहीं रोक सकता।

शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि संगठित साइबर अपराधों से निपटने के मामलों में कानून को यथासंभव सख्ती से लागू होना चाहिए। पीठ ने आरोपी को किसी भी तरह की रियायत देने के पक्ष में न होने की बात स्पष्ट कर कहा, कोई रियायत नहीं। याचिकाकर्ता भूमि उत्पलभाई पटेल ने आत्मसमर्पण कर दिया था और वह पांच महीने से अधिक समय से अहमदाबाद केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में है। यह फैसला साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत संदेश है।

हाईवे से अतिक्रमण हटाने के नाम पर मनमानी तोड़फोड़ नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हाईवे के किनारे अतिक्रमण हटाने को लेकर उसके पुराने आदेश को मनमानी तोड़फोड़ का आधार नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने प्रभावित संपत्ति मालिकों को संबंधित हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संबंधित राज्यों के हाईकोर्ट संपत्तियों के स्वामित्व और अतिक्रमण की वैधता की स्वतंत्र रूप से जांच करेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण हटाने के लिए पहले दिए गए निर्देशों का अर्थ यह नहीं है कि प्रशासन बिना उचित प्रक्रिया के किसी संपत्ति को तोड़ सकता है। संपत्ति मालिकों को अपनी आपत्ति और दावों को संबंधित हाईकोर्ट के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। पीठ ने संबंधित हाईकोर्ट को संपत्तियों के स्वामित्व और यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी दी कि संबंधित निर्माण वास्तव में वैध है या अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और संपत्ति मालिकों के अधिकारों के बीच संतुलन पर जोर दिया है।

गिरगिट रंग बदल सकता है, आदत नहीं, अखिलेश को खुद नहीं पता वह क्या चाहते हैं

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या रैली में सपा पर साधा निशाना

अयोध्या , एजेंसी। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या की रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश यादव का सम्मान करते हैं, लेकिन उन्हें खुद नहीं पता कि वह करना क्या चाहते हैं। आकाश ने सपा के पीडीए फॉर्मूले पर तंज कसते हुए कहा कि कल तक पीडीए में पी का मतलब पिछड़ा था, लेकिन ब्राह्मण समाज के बसपा से जुड़ने के बाद रातोंरात पी का मतलब पंडित हो गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आते-आते पी का मतलब फिर बदल जाएगा और डी-ए घबराए बैठे हैं कि कहीं उनका नंबर न लग जाए। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा सीट से आकाश आनंद ने जितेन्द्र सिंह बबलू को बसपा का उम्मीदवार घोषित किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आकाश आनंद ने आगरा में हुए सपा के दलित सम्मेलन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक दिन के सम्मेलन से पूरी सपा दलितों की पार्टी बन गई, लेकिन गिरगिट रंग तो बदल सकता है, अपनी आदत नहीं। उन्होंने सपा के थिंक टैंक रामगोपाल यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे जिस भीड़ को सम्मान देने पहुंचे थे, उसी पर बरस पड़े और गुस्से में उन्हें ही मूरख कह दिया। आकाश ने अयोध्या के सोहावल में जनसभा को संबोधित करते हुए पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर योगी सरकार को भी घेरा। आकाश ने कहा कि पिछले 10 साल में 10 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। हमारा बच्चा सालभर पढ़ाई करता है, लेकिन परीक्षा से पहले ही पेपर बाजार में पहुंच जाता है। इस प्रदेश में अगर कोई चीज समय से पहले पहुंचती है तो वह लीक हुआ पेपर। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आकाश आनंद ने कहा कि वह जो आंकड़े जनता के सामने रख रहे हैं, वे एनसीआरबी के सरकारी आंकड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि हत्याओं के मामले में यूपी पूरे देश में नंबर वन है और हर साल 3 हजार से ज्यादा हत्याएं होती हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में भी प्रदेश नंबर वन है, जहां हर साल 65 हजार से ज्यादा मामले सामने आते हैं।

आकाश ने अयोध्या की रैली में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस आंबेडकर की तस्वीर हाथ में



लेकर घूमती है, लेकिन उनका इतिहास छिपाती है। आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने आरक्षण को किताबों तक सीमित रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की वजह से आंबेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले वोट के लिए आंबेडकर को गले लगाती थी और सत्ता मिलने के बाद किनारे कर देती थी। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि राज्य देखकर कांग्रेस की हमदर्दी बदल जाती है।

माफिया के बाद अब नशे के सौदागरों को करेंगे तबाह: योगी

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया और संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के बाद अब प्रदेश सरकार नशे के सौदागरों को तबाह करेगी। इसके लिए निर्णायक अभियान शुरू होगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल व रोजगार पर लगाने का आह्वान किया। सपा के जुलूस के मसूम की हत्या का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले सपा के गुंडों को कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरण की शुरुआत की। 23 विद्यार्थियों को उन्होंने स्वयं टैबलेट दिए। मुख्यमंत्री ने दो दिन पहले गोरखपुर में सपा के जुलूस के दौरान दसवीं के छात्र की मौत का जिक्र करते हुए घटना को



प्रदेश की पहचान पर काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि अपनी छोटी बहन को स्कूल से लेने जा रहा छात्र चौरी-चौरा के क्रांतिकारी पूजन सिंह का प्रपौत्र था। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले तत्वों को पूरी तरह कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एंप्लॉयमेंट जोन बनाया जाएगा। यहां जापानी और जर्मन भाषा समेत विभिन्न कौशल का प्रशिक्षण देकर युवाओं को देश-विदेश की कंपनियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। सरकार पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। 8 हजार लेखपाल, 32 हजार पुलिसकर्मी और 42 हजार से अधिक होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब 26 जनवरी तक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले भर्ती परीक्षाओं में 'मुन्ना भाई' और 'सैफई सिंडिकेट' का बोलबाला था, लेकिन अब टैलेंट के आधार पर तेजी से नियुक्तियां हो रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि युवा फीड नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने में 30 सेकंड लगाने के बजाय स्किलिंग पर तीन घंटे दें। सोशल मीडिया पर मिलने वाली सूचनाओं का फैक्ट चेक करने और डिजिटल सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि योजना के पहले चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए गए, जबकि दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से जनगणना-2027 की स्वगणना और मतदाता सूची पुनरीक्षण में भी डिजिटल माध्यम से भागीदारी की अपील की।

मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर विचार कर रहा बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई , एजेंसी । दिवाली के दौरान शहर में 300 से अधिक आग लगने की घटनाओं और ध्वनि व वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि को चिंताजनक बताकर बॉम्बे हाईकोर्ट मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि यदि नागरिक असंवेदनशील बने रहते हैं और उनमें नागरिक बोध की कमी रहती है, तब पीठ केवल निर्धारित स्थानों पर सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने की अनुमति देगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि शहर को इस जहरीले वातावरण से मुक्त करने और रहने के लिए अधिक अनुकूल बनाने का यही एकमात्र समाधान होगा। पीठ ने कहा, दूसरों का स्वास्थ्य हमारी मुख्य चिंता है। अदालत ने अगस्त से ही सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाई थी, लेकिन दिवाली के दौरान आग की घटनाओं और रात तीन बजे तक अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों ने अपनी मानसिकता न बदलने का ठान लिया है।

पंजाब की सियासत में उलटफेर, आप, कांग्रेस और अकाली दल के नेता बीजेपी में शामिल

प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने सभी नेताओं का औपचारिक रूप से स्वागत किया

अमृतसर, एजेंसी । पंजाब की सियासत में चुनाव से पहले एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी का दामन थाम लिया। यह घटना लुधियाना, मोगा और संगरूर जिलों में विपक्षी दलों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने इन नेताओं का औपचारिक रूप से पार्टी में स्वागत किया।

बीजेपी में शामिल होने वालों में मोगा के आप नेता और प्रवक्ता नवदीप सिंह संघा प्रमुख थे। रायकोट से वरिष्ठ अकाली नेता सुरिंदर सिंह चौहान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। संगरूर जिले के लेहरागागा निर्वाचन क्षेत्र के युवा नेता हार्दिक नैन ने भी बीजेपी का दामन थामा। हार्दिक नैन 2015 में पंजाब यूनिवर्सिटी एनएसयूआई के अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने स्टूडेंट फ्रंट पीयू की स्थापना की थी, जिसने 2016 में पंजाब यूनिवर्सिटी छात्र परिषद की सभी चार सीटों पर जीत हासिल की



थी।

इन प्रमुख चेहरों के साथ, ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स काउंसिल के 25 से ज्यादा पदाधिकारियों ने भी बीजेपी की विचारधारा को अपनाया, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, आरटीआई विंग के चेयरमैन, किसान विंग के अध्यक्ष और एनआरआई विंग के चेयरमैन शामिल थे। मोगा के आप के संस्थापक सदस्य और इंटेलेक्चुअल विंग के प्रभारी मनदीप सिंह गिल, मोगा जिला एससी-बीसी विंग के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह रिंकू, और पंजाब एससी-बीसी विंग के संयुक्त सचिव सुखदीप सिंह धामी जैसे नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस व्यापक सदस्यता अभियान से बीजेपी ने पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति-संतुलन की नई धुरी?



डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है, तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए।



आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी।

तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है, तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी।

क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है।

फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएँ कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एक अन्य चुनौती यह है कि क्वाड कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसके निर्णय बाध्यकारी नहीं हैं और सहयोग के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन व्यवस्था सीमित है। यदि बैठकें, घोषणाएँ और साझा वक्तव्य ठोस परिणामों में नहीं बदलते, तो इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन की विरोधात्मक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय देशों की संवेदनशीलताएँ क्वाड के विस्तार तथा प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। इसलिए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्वाड किसी टकरावकारी समूह की छवि न बनाए, बल्कि क्षेत्रीय देशों के विकास, सुरक्षा और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का सम्मान करे।

भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए।

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है, तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है। भारत की भूमिका इस संतुलन को बनाए रखने वाले देश की होनी चाहिए, न कि किसी प्रतिस्पर्धा का मात्र सहभागी बनने की। यही भारत की रणनीतिक परिपक्वता और वैश्विक नेतृत्व की पहचान होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने %ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स% यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में %ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स% को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है। बल्कि यह सोने की शुद्धता का वायदा भी है।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, ''भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, ''सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है''

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

न्याय में देरी लोकतंत्र के विश्वास पर सबसे बड़ी चोट



डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

समयबद्ध और सस्ता न्याय सुनिश्चित करना भारतीय न्याय व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता...

न्याय केवल न्यायालयों में होने वाली कानूनी प्रक्रिया का नाम नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता, नागरिकों के अधिकारों और संविधान की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है। किसी भी सभ्य समाज में न्याय का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह समय पर और प्रत्येक नागरिक की पहुँच में उपलब्ध हो। यदि किसी व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ें, आर्थिक संसाधन समाप्त हो जाएँ और न्याय मिलने से पहले ही उसका जीवन संघर्षों में बीत जाए, तो न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने लंबित मुकदमों का बढ़ता बोझ और सुनवाई में होने वाली देरी आज गंभीर चुनौती बन चुके हैं। हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा उच्च न्यायालयों में शीघ्र सुनवाई न मिलने के कारण वादियों के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचने की चिंता इसी समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। यह स्थिति बताती है कि न्यायिक व्यवस्था में केवल मुकदमों का निपटारा बढ़ाना पर्याप्त नहीं, बल्कि न्याय तक पहुँचने की प्रक्रिया को भी सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना आवश्यक है।

भारत में न्यायिक देरी का सबसे प्रमुख कारण न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों का रिक्त रहना है। न्यायालयों में उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या मुकदमों के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप मौजूदा न्यायाधीशों पर अत्यधिक कार्यभार पड़ता है। जब सीमित संख्या में न्यायाधीशों को बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई करनी पड़ती है, तो प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय देना कठिन हो जाता है। नियुक्तियों में विलंब, चयन प्रक्रिया की जटिलताएँ और विभिन्न स्तरों पर होने वाली प्रशासनिक प्रक्रियाएँ इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं। न्यायिक पदों को लंबे समय तक रिक्त रखना अंततः आम नागरिक के न्याय पाने के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है।

दूसरा बड़ा कारण न्यायालयों में लंबित मुकदमों की विशाल संख्या है। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों तक मुकदमों का लगातार बढ़ता दबाव न्यायिक व्यवस्था की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है। नए मुकदमों के आने की गति और पुराने मामलों के निस्तारण के बीच संतुलन स्थापित नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में वादी और प्रतिवादी दोनों वर्षों तक निर्णय की प्रतीक्षा करते रहते हैं। दीवानी विवादों, संपत्ति संबंधी मामलों, पारिवारिक विवादों और आपराधिक मुकदमों में देरी का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है। आपराधिक मामलों में विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है, जबकि दीवानी मामलों में संपत्ति, व्यवसाय और पारिवारिक संबंध अनिश्चितता में फँसे रहते हैं।

बार-बार होने वाले स्थगन भी न्यायिक देरी का एक प्रमुख कारण हैं। कई बार अधिवक्ताओं की अनुपलब्धता, पक्षकारों की तैयारी पूरी न होना, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य प्रक्रियागत कारणों से सुनवाई आगे बढ़ा दी जाती है। कुछ मामलों में अनावश्यक स्थगन मुकदमों को लंबा खींचने का माध्यम बन जाते हैं। न्यायालयों में तारीख पर तारीख मिलने की प्रवृत्ति न केवल न्यायिक समय की बर्बादी करती है, बल्कि वादियों पर आर्थिक और मानसिक दबाव भी बढ़ाती है। न्याय प्राप्त करने के लिए बार-बार यात्रा करना, अधिवक्ताओं की फीस देना और कामकाज छोड़ना आम नागरिक के लिए अतिरिक्त कठिनाई पैदा करता है।

न्यायिक आधारभूत संरचना की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। अनेक न्यायालयों में पर्याप्त न्यायालय कक्ष, तकनीकी सुविधाएँ, प्रशिक्षित कर्मचारी और आधुनिक अभिलेख प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध नहीं हैं। न्यायिक प्रक्रिया का बड़ा हिस्सा अभी भी दस्तावेजों, भौतिक फाइलों और प्रशासनिक औपचारिकताओं पर निर्भर है। इसके अतिरिक्त सरकारी मुकदमेबाजी भी न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ बढ़ाती है। विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा छोटे-छोटे मामलों में अपील करना, निर्णयों को चुनौती देना और विवादों का समय रहते समाधान न करना मुकदमों की संख्या बढ़ाता है। सरकार स्वयं देश की सबसे बड़ी वादियों में शामिल है। इसलिए सरकारी विभागों की जवाबदेही और मुकदमेबाजी नीति में सुधार के बिना लंबित मामलों की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना होगा। उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए। न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नियुक्तियों की पारदर्शिता बनाए रखते हुए चयन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब समाप्त करना समय की माँग है।

दूसरा महत्वपूर्ण उपाय प्रभावी केस प्रबंधन है। प्रत्येक मुकदमे की प्रकृति और आवश्यकता के अनुसार सुनवाई की समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। अनावश्यक स्थगनों पर कठोर नियंत्रण होना चाहिए और विशेष परिस्थितियों को छोड़कर बार-बार तारीख देने से बचना चाहिए। न्यायालयों को मामलों की प्राथमिकता तय करने के लिए पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। वृद्धों, महिलाओं, बच्चों, गंभीर बीमारियों से जुड़े मामलों और लंबे समय से लंबित आपराधिक मामलों को उचित प्राथमिकता दी जानी चाहिए। त्वरित न्याय का अर्थ जल्दबाजी में निर्णय देना नहीं, बल्कि अनावश्यक प्रक्रियागत देरी समाप्त करते हुए निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना है।

डिजिटल तकनीक न्यायिक सुधारों का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल रिकॉर्ड और ऑनलाइन केस ट्रैकिंग से न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकता है। भारत में ई-कोर्ट्स मिशन मोड परियोजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से न्यायालयों के डिजिटलीकरण, मामलों की ऑनलाइन जानकारी और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार को बढ़ावा मिला है। हालांकि डिजिटल न्याय व्यवस्था का लाभ तभी व्यापक होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे शहरों और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को भी इंटरनेट, डिजिटल साक्षरता और आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। तकनीक न्याय तक पहुँच का साधन बने, नई बाधा नहीं।

इसके साथ ही वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणालियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालतें ऐसे मंच हैं, जहाँ अनेक विवाद पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया की तुलना में कम समय और कम खर्च में सुलझाए जा सकते हैं। पारिवारिक विवाद, छोटे आर्थिक विवाद, बैंक ऋण और आपसी समझौते से हल होने वाले मामलों को इन माध्यमों से निपटाने पर नियमित न्यायालयों का बोझ कम किया जा सकता है। जिला स्तर पर मध्यस्थता केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाना और प्रशिक्षित मध्यस्थों की संख्या बढ़ाना भी उपयोगी होगा।

सस्ती न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है जितना शीघ्र न्याय। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति केवल इसलिए न्याय से वंचित न रह जाए कि वह अधिवक्ता की फीस या मुकदमे का खर्च वहन नहीं कर सकता। इसके लिए निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं को मजबूत करना होगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका को गाँवों और कस्बों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाना चाहिए। लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध सहायता और शिकायत निवारण के माध्यमों के बारे में जागरूक करना भी जरूरी है।

सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए विभागों में प्रभावी विवाद समाधान तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। प्रत्येक छोटे मामले में अपील करने के बजाय अधिकारियों को तथ्यों और कानूनी स्थिति के आधार पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अनावश्यक अपीलों और बार-बार चुनौती देने की प्रवृत्ति पर संस्थागत नियंत्रण होना चाहिए। इससे न्यायालयों का बहुमूल्य समय बचेगा और नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सकेगी।

रोहिंग्या नरसंहार पर आईसीजे का ऐतिहासिक फैसला



डॉ. हिदायत अहमद खान

अत्याचार दुनियां के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, उससे मानवता शर्मसार होती ही है। वर्तमान में यहां बात हम म्यांमार में हुए नरसंहार की कर रहे हैं, जिसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। दरअसल म्यांमार में रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हुए नरसंहार पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का फैसला केवल एक देश के अपराधों पर न्यायिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने की चुनौती भी है। हेग स्थित अदालत ने 9-6 के बहुमत से म्यांमार को 2017 में राखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। अदालत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब उसने किसी देश को नरसंहार करने का जिम्मेदार पाया है। इस फैसले ने उन लाखों लोगों की पीड़ा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी मान्यता दी है, जिन्हें अपनी जमीन, घर और पहचान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि म्यांमार की सुरक्षा बलों की कार्रवाई को केवल उग्रवाद के खिलाफ अभियान बताकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुनवाई के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने माना कि रोहिंग्या नागरिकों की हत्या, महिलाओं के साथ व्यापक यौन हिंसा, बच्चों पर अत्याचार और गांवों को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट करने की घटनाएं एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा थीं। अदालत के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से यही निष्कर्ष निकलता है कि म्यांमार का इरादा उत्तरी राखाइन में रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को समाप्त करना था। फैसले में करीब 10 हजार लोगों की हत्या के साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है। इस मामले की शुरुआत नवंबर 2019 में हुई थी, जब अफ्रीकी देश गाम्बिया ने 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार रोकथाम और दंड संबंधी समझौते के तहत म्यांमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उसे इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 देशों का समर्थन मिला। जनवरी 2020 में अदालत ने म्यांमार को रोहिंग्या समुदाय की सुरक्षा और नरसंहार से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अंतरिम निर्देश भी दिए गए थे। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया मौजूदा फैसला इस बात का प्रमाण है कि छोटे देश भी अंतर्राष्ट्रीय कानून के सहारे शक्तिशाली देशों को जवाबदेह ठहराने की पहल कर सकते हैं। इस फैसले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि रोहिंग्या संकट अब केवल म्यांमार का आंतरिक मामला नहीं रह गया है। 2017 की सैन्य कार्रवाई के बाद सात लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश भागने को मजबूर हुए। आज भी बड़ी संख्या में शरणार्थी कॉक्स बाजार के शिविरों में कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं। उनके सामने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याएं हैं। बांग्लादेश पर भी इन शरणार्थियों की मेजबानी का आर्थिक और सामाजिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में अदालत का सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक वापसी का निर्देश महत्वपूर्ण है, लेकिन वापसी तभी संभव होगी जब म्यांमार में उनकी नागरिकता, पहचान, संपत्ति और सुरक्षा के अधिकार सुनिश्चित हों। अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के संदर्भ में भी यह फैसला दूरगामी महत्व रखता है। गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार समझौते के उल्लंघन का मामला दायर किया है। इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ा विवाद भी नरसंहार समझौते के दायरे में अदालत के सामने है। म्यांमार के मामले में अदालत ने नरसंहार के इरादे को साबित करने के लिए जिस तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और घटनाओं के व्यापक स्वरूप का मूल्यांकन किया है, उस पर दूसरे मामलों में भी चर्चा होगी। हालांकि, म्यांमार का फैसला गाजा या यूक्रेन के मामलों का स्वतः निर्णय नहीं है। प्रत्येक मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी परिस्थितियों के आधार पर अलग निष्कर्ष निकाला जाएगा। फैसले के बाद सबसे बड़ी चुनौती उसके क्रियान्वयन की है। आईसीजे के निर्णय संबंधित देशों के लिए बाध्यकारी होते हैं और इस फैसले के खिलाफ अपील का प्रावधान नहीं है, लेकिन अदालत के पास अपने आदेश लागू कराने के लिए स्वतंत्र पुलिस या सैन्य व्यवस्था नहीं है। म्यांमार के अनुपालन से इनकार करने की स्थिति में गाम्बिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रुख कर सकता है। वहां स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार और भू-राजनीतिक हित कार्रवाई को प्रभावित कर सकते हैं। म्यांमार ने भी फैसले को अनुचित बताते हुए इसका विरोध किया है और कहा है कि वह कानूनी समीक्षा करेगा। अदालत ने म्यांमार को नरसंहार के दोषियों की जांच, मुकदमा और सजा सुनिश्चित करने, भविष्य में ऐसे अपराध रोकने तथा पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने इसे अंतर्राष्ट्रीय न्याय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दंडमुक्ति समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यहां स्पष्ट करते चलें कि किसी समुदाय का अस्तित्व केवल उसकी जान बचाने से सुरक्षित नहीं होता। उसकी भाषा, संस्कृति, नागरिकता, जमीन, व्यवसाय और सम्मान भी सुरक्षित रहने चाहिए। रोहिंग्या समुदाय को न्याय तभी मिलेगा, जब अदालत का फैसला कागजों से निकलकर उनके जीवन में बदलाव लाएगा। दुनिया के देशों को म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने, शरणार्थियों की सहायता करने और उनकी स्वैच्छिक वापसी के लिए ठोस व्यवस्था तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अन्यथा यह ऐतिहासिक फैसला भी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर दर्ज एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बनकर रह जाएगा, जबकि पीड़ितों की पीड़ा जस की तस बनी रहेगी। इसमें दोराय नहीं कि म्यांमार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का फैसला रोहिंग्या समुदाय के लिए न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। फिर भी इस फैसले की असली परीक्षा इसके पालन और विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी में है। इसे केवल एक देश के अपराध पर अदालत की मुहर के रूप में नहीं, बल्कि दुनिया भर में नरसंहार, युद्ध अपराध और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही की कसौटी के रूप में देखना चाहिए। ताकि अन्य किसी देश में किस वर्ग या समुदाय के खिलाफ फिर कभी इस तरह की ज्यादती नहीं होने पाए।

जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए तेजी लाने के निर्देश



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय में विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराए जाएं। योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में सबसे पहले बीवी जीराम जी योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इसमें तालाबों के निर्माण और गौ आश्रय स्थलों के विकास के साथ अन्नपूर्णा भवनों और खेल मैदानों से संबंधित कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि एपीओ के माध्यम से कार्यों में तेजी लाई जाए और आवश्यकतानुसार मस्टर रोल जारी कराकर काम शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिन एपीओ द्वारा कार्यों में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है उन्हें प्रतिदिन बुलाकर प्रगति की जानकारी ली जाए। साथ ही उनके कार्यों की नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए।मॉडल गौ आश्रय स्थलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी मॉडल गौशालाओं में सोलर लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। बीवी जीराम जी योजना के अंतर्गत भी गौशालाओं में आवश्यक विकास कार्य कराए जाएं। उन्होंने गौशालाओं में चारे की उपलब्धता और चारा एग्रीमेंट के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस से सैम एवं मैम श्रेणी के बच्चों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा उनके लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। आईसीडीएस विभाग से संबंधित तालाबों के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान सहायक श्रमायुक्त से कन्या विवाह सहायता योजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को समय से लाभान्वित किया जाए और पंजीकरण की प्रगति बढ़ाई जाए। इसके साथ ही पंजीकृत श्रमिकों और शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की संख्या की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

क्षेत्र पंचायतों के अंतर्गत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से कार्यों की वर्तमान स्थिति और विवरण प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्यों की नियमित निगरानी की जाए।

पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने श्मशान घाटों तक जाने वाले मार्गों की स्थिति में सुधार करने और वहां आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने को कहा।

इसके अलावा बैठक में पीएम राहत योजना फार्मर रजिस्ट्री जननी सुरक्षा योजना ई-कवच और एचआईएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं से जुड़े लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। पोर्टल पर सूचनाएं समय से अपडेट की जाएं और शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बहजोई पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद, मेले-मंदिरों और अस्पतालों के आसपास करते थे रेकी



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बहजोई थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद की हैं। आरोपी जनपद सम्भल समेत आसपास के जनपदों में मेले, मंदिरों और सरकारी अस्पतालों के आसपास रेकी कर मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि थाना बहजोई क्षेत्र के टंकी मोहल्ला निवासी तिलक चौधरी पुत्र हरपाल सिंह और गांव मौकमपुर निवासी राजेश पुत्र अगरपाल की मोटरसाइकिल चोरी होने के संबंध में थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए लगातार प्रयास कर रही थी।

इसी दौरान शुक्रवार को थाना बहजोई पुलिस टीम संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि सम्भल तिराहे से सम्भल की ओर जाने वाले रास्ते पर दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ मौजूद हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर विकास पुत्र अमर सिंह और धर्मेन्द्र पुत्र नेमचन्द्र की गिरफ्तारी की। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद कीं। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर बिसारू रोड स्थित भट्टे के पीछे छिपाकर रखी गई चोरी की तीन अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गईं। इस तरह पुलिस ने कुल पांच चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सम्भल और आसपास के जनपदों में लगने वाले मेलों, मंदिरों तथा सरकारी अस्पतालों के आसपास जाकर पहले रेकी करते थे। इसके बाद भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को चिन्हित कर मौका मिलते ही चोरी कर लेते थे। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को आर्थिक लाभ के लिए बेच देते थे और उससे मिलने वाली रकम आपस में बांटकर अपने निजी खर्चों में इस्तेमाल करते थे।पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस टीम ने चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार, एक बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचे, देशी रायफल, पिस्टल, कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण समेत भारी मात्रा में सामान बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध हथियार बनाने और उनकी सप्लाई करने वालों में खलबली मच गई है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बहजोई पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाईपास पर ग्राम चितौरा की तरफ से बहजोई आने वाले रास्ते पर पुलिस ने एक बाल अपचारी को 315 बोर के अवैध तमंचे के साथ पकड़ा। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने अपने साथियों के बारे में जानकारी दी।बाल अपचारी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने चितौरा रोड से बहजोई की ओर जाने वाले रास्ते पर करीब 60 मीटर अंदर खेत में बने एक कोठरे पर छापा मारा। यहां से अनस उर्फ तौफीक रजा पुत्र अनवार अली और सुनील कुमार पुत्र अनोखेलाल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को मौके से अवैध हथियार बनाने का सामान और उपकरण भी मिले।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 बोर का एक तमंचा, 315 बोर के तीन तमंचे, 315 बोर की एक देशी रायफल, 32 बोर की दो पिस्टल और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा पांच किलोग्राम का लोहे का बाट, एक मशीन भोकनी, ड्रिल मशीन, शिकंजा, अंगीठी, छोटा गैस सिलेंडर और शस्त्र बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए गए। मौके से एक सिल्वर रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना बहजोई में विनय प्रताप सहित तीन के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। खबर लिखे जाने तक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी की जा रही थी। जबकि बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

यातायात पुलिस ने हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा के प्रति किया जागरूक



चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा एसएम इंटर कॉलेज, चन्दौसी में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं और एनसीसी कैडेट्स को यातायात नियमों की जानकारी देकर सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने और चारपहिया वाहन में बैठते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाने की सलाह दी गई। इसके साथ ही वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने और नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने देने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को सड़क पार करते समय विशेष सावधानी बरतने तथा सड़क पर चलते समय आसपास के वाहनों की गति और दिशा का ध्यान रखने की जानकारी भी दी। पुलिसकर्मियों ने समझाया कि यातायात नियमों की अनदेखी कई बार गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनती है। ऐसे में नियमों का पालन करना केवल अपनी सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान बचाने के लिए भी आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं और एनसीसी कैडेट्स को सुरक्षित यातायात के प्रति हमेशा जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य की अध्यक्षता में हुई महिला जनसुनवाई

घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, मारपीट व छेड़छाड़ के 10 मामलों की हुई सुनवाई, थानाध्यक्षों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश



हापुड़ (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल की अध्यक्षता में मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस जनपद हापुड़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद में घरेलू हिंसा से पीड़ित 10 महिलाओं की जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में पारिवारिक विवाद, दहेज उत्पीड़न, मारपीट एवं छेड़छाड़ से संबंधित महिलाओं के केस आए, जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से भी पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सेवा उपलब्ध कराने की जानकारी से अवगत कराया गया। इसी के साथ बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ भी ग्रहण की गई।

कार्यक्रम के दौरान जनपद की मुख्य चिकित्सा अधिकारी हापुड़, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी हापुड़, सूचना विभाग कर्मचारी एवं महिला थाना प्रभारी हापुड़ के साथ समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी हापुड़ के साथ जिला प्रोबेशन कार्यालय से अमित कुमार, संरक्षण अधिकारी, रिंकू सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता, सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर, नेहा त्यागी, जिला समन्वयक के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिम्भावली शुगर मिल को आवंटित गन्ना अब बृजनाथपुर मिल को होगा सप्लाई

14 दिन के भीतर होगा नए सत्र का भुगतान, डीएम की अध्यक्षता में किसानों के साथ हुई बैठक





हापुड़ (सब का सपना):- जनपद हापुड़ के सिम्भावली शुगर मिल से जुड़े किसानों के लिए बड़ी खबर है। इस मिल से जुड़े छह केंद्रों के गन्ने को जनपद हापुड़ के हाफिजपुर क्षेत्र में स्थित बृजनाथपुर शुगर मिल पर सप्लाई किया जाएगा। साथ ही नए सत्र का किसानों को 14 दिनों के भीतर भुगतान किया जाएगा।

इस संबंध में डीएम कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में किसानों के साथ बैठक भी आयोजित की गई। हाल ही में अव्यवस्था के चलते सिम्भावली बृजनाथपुर शुगर मिल के 184 केंद्र काट दिए गए।

वर्तमान में बृजनाथपुर शुगर मिल पर चार और सिम्भावली शुगर मिल से छह केंद्र जुड़े हैं।

11 नवंबर से बृजनाथपुर शुगर मिल में पेराई सत्र शुरू हो गया है।

छह केंद्रों के साथ सिम्भावली मिल को चलाना संभव नहीं है। इसलिए इस मिल को आवंटित गन्ना बृजनाथपुर मिल में सप्लाई करने की अनुमति मांगी गई थी, जिसे शासन ने स्वीकृति दे दी है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत छात्राओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक





अमरोहा (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (16 नवंबर से 30 नवंबर 2026) के अंतर्गत शुक्रवार को जिलाधिकारी जनपद एवं पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशों एवं उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मनोज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में हाशमी एजुकेशनल ग्रुप द्वारा संचालित विद्यालय हकीम महताबुद्दीन हाशमी गर्ल्स इंटर कॉलेज अमरोहा एवं अमरोहा मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज अमरोहा की छात्राओं का संयुक्त सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम अमरोहा मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा समिति के गैर सरकारी सदस्य एवं सेफ ड्राइव रोड सेफ्टी फाउंडेशन के संस्थापक अनिल कुमार जग्गा, यातायात उपनिरीक्षक दिनेश कुमार सिंह एवं विद्यालय की प्राचार्या हीना खान उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों की कक्षा 9 से कक्षा 12 तक की छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान अनिल कुमार जग्गा ने उपस्थित छात्राओं को ड्राइविंग रेगुलेशंस 2017, रोड रेगुलेशंस एवं सड़क चिन्हों की भाषा, यातायात संकेतों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने के प्रति जागरूक किया गया। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने एवं उन्हें समय से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के टिप्स दिए तथा उसके लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं को बताया गया कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करना सामाजिक एवं मानवीय दायित्व है। इसके साथ ही सार्वजनिक सेवा वाहनों, विशेषकर ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा एवं सार्वजनिक बसों व अन्य यात्री वाहनों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षित यात्रा के लिए क्या आवश्यक सावधानियां बरतनी चाहिए तथा महिला सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोग किए जाने वाले हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में यातायात उपनिरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात विभाग या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यदि युवा पीढ़ी विशेषकर छात्राएं यातायात नियमों के प्रति जागरूक होंगी, तो परिवार एवं समाज में भी सड़क सुरक्षा की संस्कृति विकसित होगी। उन्होंने छात्राओं को सार्वजनिक जीवन में निडर बनने के लिए प्रेरित किया तथा महिला हेल्पलाइन एवं किसी अनहोनी की परिस्थितियों में किस प्रकार पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था के प्रति जनसहभागिता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के अंत में अनिल कुमार जग्गा ने उपस्थित जनों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ ग्रहण कराई।

दोस्त ने ही ब्लेड से रेत दी गर्दन, हत्या का आरोपी गिरफ्तार

दोस्त ने ही ब्लेड से रेत दी गर्दन, हत्या का आरोपी गिरफ्तार



सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना सैदनगली पुलिस ने एसओजी एवं सर्विलांस टीम की मदद से हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए मृतक के दोस्त अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर खून लगा आला कत्ल ब्लेड बरामद किया गया।

पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष थाना सैदनगली के कुशल नेतृत्व में थाना सैदनगली पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 299/2026 धारा 103(1) बीएनएस में वांछित अभियुक्त यासीन पुत्र शमीम निवासी ग्राम मालपुर मिलक थाना पाकबड़ा जनपद मुरादाबाद, हाल निवासी मोहल्ला काशीराम कॉलोनी उझारी थाना सैदनगली जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक स्टीलनुमा जिलेट ब्लेड (आला कत्ल), जिस पर खून लगा हुआ था, बरामद कर कब्जे पुलिस में लिया गया है। आपको बता दे कि 15 नवंबर को वादी शोकिन पुत्र अब्दुल रशीद उर्फ घसीटा निवासी मोहल्ला मंसूरपुर उझारी थाना सैदनगली जनपद अमरोहा द्वारा थाना सैदनगली पर सूचना दी गई कि उसके भाई मोबिन का शव उझारी-ढबारसी रोड स्थित सलमान के आम के बाग में पड़ा हुआ है। प्राप्त सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा की कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया था। वादी शोकिन की लिखित तहरीर के आधार पर 18 नवंबर को थाना सैदनगली पर मु0अ0सं0 299/2026 धारा 103(1) बीएनएस बनाम यासीन पुत्र शमीम व अन्य साथी नाम पता अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। मुकदमा उपरोक्त का वांछित अभियुक्त यासीन गुरुवार शुक्रवार की रात्रि में गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि 13/14 नवंबर की रात्रि में मोबिन के साथ उझारी-ढबारसी रोड स्थित बाग में शराब पीने के दौरान मृतक मोबिन द्वारा अभियुक्त के जेब से रुपये निकाल लेने के बाद विवाद होने पर ब्लेड से उसकी गर्दन पर वार कर हत्या करना स्वीकार किया है। अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के पास से घटना में प्रयुक्त एक स्टीलनुमा जिलेट ब्लेड, जिस पर खून लगा हुआ था, बरामद किया गया है। खबर लिखे जाने तक अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही थी।

गजरौला की कामाक्षी पेपर फैक्ट्री में बड़ा हादसा, गार्ड और मजदूर की मौत:- परिसर में मचा हड़कंप

परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लगाए सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के आरोप, पुलिस और एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र स्थित कामाक्षी पेपर फैक्ट्री में हादसे के दौरान एक गार्ड और एक मजदूर की मौत हो गई। दो कर्मचारियों की मौत की खबर से फैक्ट्री परिसर में हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन फैक्ट्री पहुंच गए। वहां परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए हंगामे जैसी स्थिति बना दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और एसडीएम मौके पर पहुंच गए। परिजनों की नाराजगी और हंगामे की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने समझा-बुझाकर उन्हें शांत कराया।वहीं, मृतकों के परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि फैक्ट्री में कर्मचारियों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

न तो उचित सेफ्टी व्यवस्था है और न ही कर्मचारियों की जान की सुरक्षा को लेकर जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

परिजनों ने हादसे के लिए फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

फिलहाल हादसे के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फैक्ट्री परिसर में दोनों मृतकों का शव करीब आठ घंटे तक लावारिस की तरह पड़ा रहा।तब कहीं जाकर फैक्ट्री प्रबंधन और मृतकों के परिजनों के बीच कुछ आपसी बातों पर समझौता हुआ। उधर दो कर्मचारियों की मौत के बाद फैक्ट्री प्रबंधन की जिम्मेदारी और सुरक्षा इंतजामों की जांच की मांग उठ रही है।

तिगरी गंगा मेला तैयारियां पूर्ण, शैलेश दुबे-शशि भूषण पाठक-ऋतु रानी की रही महत्वपूर्ण भूमिका



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले की तैयारियों को समय पर पूरा कराने में धनौरा तहसील के उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे, तहसील अमरोहा सदर के उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक तथा उप जिलाधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर ऋतु रानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रशासन के निर्देश पर इन अधिकारियों ने मेला स्थल पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की।

घाटों का निर्माण, सड़कों का समतलीकरण, बैरिकेडिंग, पेयजल, रोशनी, स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी कार्यों को तेजी से पूरा कराने में उनका सक्रिय योगदान रहा। मेला क्षेत्र को जोन और सेक्टरों में विभाजित कर जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया, जिसमें इन अधिकारियों ने मैदानी स्तर पर समन्वय स्थापित किया।

शुक्रवार को गंगा पूजन के अवसर पर भी अधिकारी मेला स्थल पर मौजूद रहे और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। तिगरी गंगा मेला कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान के इर्द-गिर्द आयोजित होता है। इस बार 15 से 25 नवंबर तक मेला चल रहा है और 24 नवंबर को मुख्य स्नान होगा।

लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। अधिकारियों के निरंतर निरीक्षण और निदेर्शों के कारण तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। श्रद्धालुओं को सुचारू सुविधाएं उपलब्ध कराने और मेले को भव्य एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का लक्ष्य है। स्थानीय प्रशासन का प्रयास है कि आस्था के इस महापर्व में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

मध्य गंगा नहर में जल छोड़ने और घाटों की व्यवस्था को लेकर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

एकादशी से नहर में जल छोड़ने, बिना लाइफ जैकेट नाव चलाने पर रोक, घाटों की तैयारी और अवैध शराब व प्लास्टिक पर अंकुश की मांग



हसनपुर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा स्थित मध्य गंगा नहर के पुल पर राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने विभिन्न जनहित और धार्मिक मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने प्रशासन का ध्यान आगामी कार्तिक पूर्णिमा और गंगा स्नान पर्व की तैयारियों की ओर आकर्षित करते हुए चार सूत्रीय मांगें रखीं। कृष्ण कुमार शर्मा ने मांग की कि पिछले वर्ष की भांति इस बार भी ऐसे श्रद्धालु जो दूर-दराज के गंगा घाटों तक जाने में असमर्थ हैं, उनकी सुविधा के लिए एकादशी से ही मध्य गंगा नहर में पर्याप्त मात्रा में जल प्रवाहित किया जाए। इससे स्थानीय श्रद्धालु नहर में ही आस्था की डुबकी लगा सकेंगे। इसके साथ ही, गंगा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कई नाविक बिना लाइफ जैकेट के ही श्रद्धालुओं को नाव में बैठाकर घुमाते हैं और नदी पार कराते हैं, जिससे बड़े हादसे का डर बना रहता है। ऐसे नाविकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। कार्यकताओं ने यह भी मांग उठाई कि केवल तिगरी ही नहीं, बल्कि पूठ और पौरारा आदि घाटों पर भी स्नान पर्व से जुड़ी सभी तैयारियों को अविलंब पूरा किया जाए। इसके अलावा, मेला क्षेत्र की पवित्रता और पर्यावरण को बनाए रखने के लिए अवैध शराब की बिक्री पर पूरी तरह अंकुश लगाने तथा दुकानदारों द्वारा प्लास्टिक के प्रयोग को सख्ती से वर्जित करने की मांग की गई। प्रदर्शन में राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के नेतृत्व में मधुर कुमार, जयविंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, प्रधान हरिराज सैनी, आशाराम पाल, शेर अली, गुलशेर, दीपक कुमार, मुकेश कुमार, अरुण कुमार, खजान सैनी, घासी राम, भूरे खां, धर्मवीर सिंह, हरपाल सिंह, शोभित त्यागी, प्रकाश सैनी, कमल सैनी और देशराज सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहजोई पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद, मेले-मंदिरों और अस्पतालों के आसपास करते थे रेकी



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बहजोई थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद की हैं। आरोपी जनपद सम्भल समेत आसपास के जनपदों में मेले, मंदिरों और सरकारी अस्पतालों के आसपास रेकी कर मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि थाना बहजोई क्षेत्र के टंकी मोहल्ला निवासी तिलक चौधरी पुत्र हरपाल सिंह और गांव मौकमपुर निवासी राजेश पुत्र अगरपाल की मोटरसाइकिल चोरी होने के संबंध में थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए लगातार प्रयास कर रही थी।

इसी दौरान शुक्रवार को थाना बहजोई पुलिस टीम संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि सम्भल तिराहे से सम्भल की ओर जाने वाले रास्ते पर दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ मौजूद हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर विकास पुत्र अमर सिंह और धर्मेन्द्र पुत्र नेमचन्द्र की गिरफ्तारी की। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद कीं। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर बिसारू रोड स्थित भट्टे के पीछे छिपाकर रखी गई चोरी की तीन अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गईं। इस तरह पुलिस ने कुल पांच चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सम्भल और आसपास के जनपदों में लगने वाले मेलों, मंदिरों तथा सरकारी अस्पतालों के आसपास जाकर पहले रेकी करते थे। इसके बाद भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को चिन्हित कर मौका मिलते ही चोरी कर लेते थे। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को आर्थिक लाभ के लिए बेच देते थे और उससे मिलने वाली रकम आपस में बांटकर अपने निजी खर्चों में इस्तेमाल करते थे।

पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस टीम ने चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के प्रति जागरूकता को लेकर चिकित्सा महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

एमबीबीएस विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति से एंटीबायोटिक के दुरुपयोग के दुष्परिणाम बताए, पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता भी हुई



बिजनौर (सब का सपना):- महात्मा विदुर स्वायत्तशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बिजनौर में विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह-2026 के अवसर पर शुक्रवार को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या डॉ. चौधरी ललिता के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का संयुक्त संयोजन महाविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों, मेडिकल विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों और आमजन को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की गंभीर चुनौती से अवगत कराना तथा एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा।

न्यू हॉस्पिटल बिल्डिंग स्थित ओपीडी में एमबीबीएस विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक उपयोग और उससे होने वाले दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। इसके साथ ही पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में सैजाशी मिश्रा ने प्रथम तथा अनन्य सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रशांत कुमार सिंह प्रथम और निशी राजपूत द्वितीय स्थान पर रहे। इस दौरान जागरूकता वॉकाथॉन भी निकाली गई। इसमें महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में नीले गुब्बारे आकाश में छोड़कर एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील मलिक ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की रोकथाम में अस्पताल प्रशासन एवं स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संक्रमण नियंत्रण और एंटीबायोटिक दवाओं के उचित उपयोग को महत्वपूर्ण बताया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की वर्तमान चुनौतियों, वैश्विक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव तथा एंटीमाइक्रोबियल स्टूअर्डशिप की आवश्यकता पर विचार रखे। विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा शर्मा ने इसके सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी। वहीं डॉ. अमित गुप्ता ने समन्वित स्वास्थ्य सेवाओं एवं जनजागरूकता को इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक बताया। प्रधानाचार्या डॉ. चौधरी ललिता ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक सेवन, चिकित्सकीय सलाह के बिना दवाओं का इस्तेमाल तथा निर्धारित उपचार को बीच में छोड़ देना एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि यह आज वैश्विक जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इस पर नियंत्रण के लिए चिकित्सा समुदाय के साथ-साथ आमजन की सहभागिता भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल नौसरान, डॉ. सूर्यनागतिलक, डॉ. दिनेश गोस्वामी, डॉ. अनुज, डॉ. स्नेहा, डॉ. अजय, डॉ. गौरव, डॉ. नीलम, डॉ. साक्षी, डॉ. अनीश, डॉ. ललित सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य तथा जूनियर एवं सीनियर रेजिडेंट चिकित्सक उपस्थित रहे।

नहटौर पुलिस ने अपहरण के मामले में वांछित आरोपी भूरे को किया गिरफ्तार



बिजनौर (सब का सपना):- थाना नहटौर पुलिस ने अपहरण के मामले में वांछित चल रहे आरोपी भूरे पुत्र छत्रपाल निवासी ग्राम पपसरा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को एक वादी ने थाना नहटौर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि भूरे पुत्र छत्रपाल उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस मामले में छत्रपाल, बाबूराम, भूप सिंह, छोटे सिंह उर्फ गुणगण, जालम सिंह, काले पुत्र छत्रपाल और राहुल पुत्र बाबूराम के नाम भी सामने आए थे। तहरीर के आधार पर थाना नहटौर में मु0अ0सं0 343/2026 धारा 87/61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।विवेचनात्मक कार्रवाई के दौरान 18 नवंबर 2026 को अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया गया।

इसके बाद 19 नवंबर 2026 को थाना नहटौर पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी भूरे पुत्र छत्रपाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल मनीष खोखर और कांस्टेबल उपेंद्र कुमार शामिल रहे।

एक बाइक पर पांच युवको का स्टंटबाजी करने का वीडियो वायरल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एक बाइक पर पांच युवकों के सवार होकर स्टंटबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो नगीना बढ़ापुर मार्ग का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि पांच युवक एक ही बाइक पर सवार होकर सड़क पर मौज मस्ती करते हुए जा रहे हैं।इस दौरान एक युवक बाइक के पीछे लटका हुआ नजर आ रहा है। युवक यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए न केवल अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं,बल्कि सड़क से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बने हुए हैं। वायरल वीडियो को लेकर लोगों ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ई-रिक्शा में सवार तीन लोग कार की टक्कर से हुए घायल

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- पैजनिया मार्ग पर सवारी लेकर जा रहे ई रिक्शा में नहटौर से जा रहे कार चालक ने सामने से टक्कर मार दी, जिसमें रिक्शा चालक सहित तीन लोग घायल हो गये। घटना इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन सड़क के साइड के गड्ढे में जा गिरे, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। शेखपुर निवासी ई रिक्शा चालक परवीन पुत्र मंगल सिंह (60 वर्ष) ई-रिक्शा से नहटौर सवारी लेकर आ रहा था। मानपुर के भट्टे के पास नहटौर से तीव्र गति से जा रही कार ने टक्कर मार दी। ई रिक्शा में सवार तसलीम पुत्र फुरकान आयु 32 वर्ष निवासी गांव पैजनिया अथाई, तमन्ना पत्नी तसलीम 30 वर्ष व परवीन घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएससी में भर्ती कराया। उन दोनों की हालत देखकर उन्हें जिला अस्पताल रैफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि तहरीर प्राप्त होते ही कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पुलिस ने किया हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- अपर जिला व सत्र न्यायधीश (गैंगस्टर एक्ट) द्वारा निर्गत स्थायी वारंट के अनुपालन में नगीना पुलिस ने वारंटी अभियुक्त झबरे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसआई सरवेज खां ने बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट के अनुपालन में वारंटी अभियुक्त थाना क्षेत्र के ग्राम मलकपुर अब्दुला निवासी झबरे पुत्र इंदर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसआई सरवेज खां ने बताया कि झबरे नगीना थाना का ए श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर(एचएस 32 ए) है और 2015 से लापता चल रहा था।गैंगस्टर हिस्ट्रीशीटर झबरे के खिलाफ विभिन्न अपराधों में नगीना थाना में कुल 9 तथा शेरकोट, कोतवाली देहात व बढ़ापुर थानों में एक एक समेत कुल 12 मुकदमें दर्ज हैं।

कार्यकुशलता और प्रशासनिक क्षमता के दम पर डॉ. विशाल दिवाकर बने डिप्टी सीएमओ



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाओं, प्रशासनिक दक्षता एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के चलते डॉ. विशाल दिवाकर को जनपद बिजनौर में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (डिप्टी सीएमओ) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह द्वारा 19 नवंबर को जारी आदेश के तहत डॉ. विशाल दिवाकर को कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजनौर में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रिक्त पद पर तत्काल प्रभाव से तैनात किया गया है। डॉ. विशाल दिवाकर वर्तमान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतवाली में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ विभागीय एवं प्रशासनिक कार्यों में उनकी सक्रियता और जिम्मेदारियों के निर्वहन को देखते हुए उन्हें जिला स्तर पर नई भूमिका दी गई है।

नई जिम्मेदारी के साथ डॉ. दिवाकर को अग्रिम आदेशों तक उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी के दायित्वों के अलावा प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतवाली तथा चिकित्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना के कार्यों का भी निर्वहन करना होगा। इस प्रकार जिला मुख्यालय पर नई जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व भी उनके पास बने रहेंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर विभागीय अधिकारियों, चिकित्सकों, सहकर्मियों मैं शुभकामनाएं दी है।

18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र छात्राओं के वोट अनिवार्य रूप से बनवाएं:- तहसीलदार





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- हिंदू इंटर कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित मतदाता साक्षरता क्लब(ई एल सी)की बैठक में तहसीलदार हेमराज सिंह बोनाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुपालन में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 अभियान के अंतर्गत नगीना व बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्रों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र छात्राओं के नाम अनिवार्य रूप से निर्वाचक नामावलियों में आ जाने चाहिए। कॉलेज के सभागार में आयोजित 18 नगीना व 19 बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्रों के समस्त माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों स्तरीय ईएलसी कॉर्डिनेटर ने 18+ आयु वर्ग के छात्र छात्राओं संबंधी निर्धारित प्रारूप पर सूचना के साथ अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को निर्देश दिए कि निर्वाचन संबंधी इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सम्पन्न करें। बैठक में प्रधानाचार्य यशवीर सिंह,नायब तहसीलदार अंकित कुमार,शिक्षक शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया।

एकादशी व्रत का सनातन धर्म में विशेष महत्व, कथा में सुनाया रुक्मणी मंगल विवाह का प्रसंग



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बिश्नोई सराय स्थित पंजाबी धर्मशाला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस कथा व्यास आचार्य पंडित कपिल कृष्ण महाराज ने श्रद्धालुओं को एकादशी व्रत का महत्व बताते हुए कहा कि प्रत्येक सनातनी स्त्री-पुरुष को श्रद्धापूर्वक एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। जिस प्रकार नंद बाबा एकादशी का व्रत धारण करते थे, उसी प्रकार सभी को इस धार्मिक परंपरा का पालन करना चाहिए। महाराज श्री ने कहा कि एकादशी के दिन अन्न ग्रहण करना शास्त्रों में वर्जित बताया गया है। इस दिन अन्न ग्रहण करने से व्रत का पुण्य प्राप्त नहीं होता, इसलिए श्रद्धालुओं को नियम और श्रद्धा के साथ एकादशी व्रत करना चाहिए।कथा को आगे बढ़ाते हुए महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की मथुरा लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा पहुंचकर अनेक दुष्टों का संहार किया और अंत में अत्याचारी कंस का वध कर अपने माता-पिता को कारागार से मुक्त कराया। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने माता-पिता की सेवा की तथा संदीपनी मुनि के आश्रम में रहकर गुरु से शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने मात्र 64 दिनों में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया।

महाराज ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक माता-पिता का परम कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए सदैव प्रेरित करें और उन्हें शिक्षा से जोड़े रखें। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके बल पर बच्चे भविष्य में अपना और अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की द्वारिका लीला का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण मथुरा छोड़कर समस्त मथुरावासियों के साथ द्वारिका पुरी पहुंचे, जहां वे द्वारकाधीश के रूप में प्रतिष्ठित हुए। भगवान श्रीकृष्ण ने 16,108 रानियों के साथ विवाह किया। महाराज ने कहा कि भगवान का प्रेम और उनकी कृपा सभी भक्तों के लिए समान है। भगवान कहते हैं कि जिसे संसार नहीं अपनाता, उसे मैं अपनाता हूं। भक्त को केवल एक बार सच्चे मन से मेरी शरण में आना चाहिए। कथा की विशेष श्रृंखला में महाराज ने पावन रुक्मणी मंगल विवाह का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए नजर आए और पूरे पंडाल में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कथा में पंडित विजय भारत भारद्वाज, आचार्य नवनीत प्रसाद गैरोला, पंडित आशीष नौटियाल, संगीताचार्य मनोज उनियाल, तबला वादक अरविंद पैनुली तथा हिमवंत टाइम चैनल के संपादक शैलेंद्र भंडारी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के छठे दिन प्रथम यजमान विपिन अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, आहाना अग्रवाल एवं अनंत अग्रवाल रहे। द्वितीय यजमान प्रेमराज चौहान, कुसुम देवी, ललित चौहान, प्राची चौहान एवं तुष्य चौहान रहे। तृतीय यजमान मनोज टंडन, प्रीति टंडन, तृषा, धन्या, भव्या, सुनील टंडन, ऋषभ टंडन तथा लोकेन्द्र सिंह, सुषमा देवी, शिप्रा चौधरी, काव्या चौधरी एवं उज्ज्वल चौधरी ने पूजन और आरती संपन्न कराई। कथा के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ उठाया तथा अंत में प्रसाद ग्रहण किया।

विदुर कुटी गंज मेले की तैयारियों का जिलाधिकारी व पुलिस अधिकारियों ने किया सघन निरीक्षण



बिजनौर (सब का सपना):- आगामी पवित्र गंगा स्नान पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। पर्व की तैयारियों और व्यवस्थाओं को परखने के लिए जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह, पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई एवं जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप ने थाना कोतवाली शहर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक विदुर कुटी गंज मेले का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला परिसर, घाट क्षेत्र, आवागमन मार्गों और श्रद्धालुओं के ठहरने व दर्शन से जुड़े स्थलों का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए ब्रीफ किया कि गंगा स्नान पर्व पर बाहर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। अधिकारियों ने निरीक्षण के क्रम में मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सुचारू यातायात प्रबंधन, नियमित साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों और प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग तथा निगरानी व्यवस्था को मजबूत रखने के निर्देश दिए गए, ताकि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था और यातायात सुचारु बना रहे।

वहीं संबंधित विभागीय अधिकारियों को मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को समय से दुरुस्त करने की हिदायत दी गई, जिससे गंगा स्नान के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर माहौल मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ पुलिस व प्रशासन के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि गंगा स्नान पर्व पर सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें।

आदि गुरु शंकराचार्य आश्रम में सत चंडी महायज्ञ का शुभारंभ, भव्य कलश यात्रा निकाली गई



बिंदकी/फतेहपुर (सब का सपना):- आदि गुरु शंकराचार्य आश्रम में सत चंडी महायज्ञ के 10 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। आश्रम से गंगा नदी से जल लेकर कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा शिवराजपुर, सगुनापुर, हरबंशपुर, कृष्णापुर आदि गांवों में भ्रमण के बाद वापस आश्रम पहुंची।

यात्रा में बड़ी संख्या में आसपास के गांव से श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर भजन-कीर्तन के साथ यात्रा में भाग लिया। जगह-जगह ग्रामीणों ने कलश यात्रा का स्वागत किया।

स्वामी सत्यानंद ने बताया कि 10 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलश यात्रा निकालकर शुभारंभ किया गया है। महायज्ञ में प्रतिदिन पूजन, हवन और कथा का आयोजन होगा।

संक्षिप्त डायरी

नमो घाट और सरायमोहना के पास होंगे सीआरपीएफ के दो बेस, मिली जमीन

एजेंसी

वाराणसी । काशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा को लेकर नया खाका तैयार किया गया है। इसके मुताबिक नमो घाट और सरायमोहना के पास सीआरपीएफ के दो बेस होंगे। इसके लिए सीआरपीएफ को 90 साल के लिए जमीन मिली है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो नए बेस बनाकर बाबा विश्वनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था अचूक की जाएगी। आदिकेशव घाट के पास सरायमोहना (अभिलेखों में सरैताबाद) और नमो घाट के पास किला कोहना (गोवर्द्धन धाम मंदिर के ऊपर वाला क्षेत्र) में 4.19 एकड़ सरकारी जमीन अगले 90 साल तक सीआरपीएफ के पास ही रहेगी। विश्वनाथ धाम परिसर में किसी भी आपात स्थिति में कम से कम समय में सुरक्षाकर्मी एक्शन ले सकेंगे। राज्य सरकार की ओर से अब सीआरपीएफ को धाम में स्थायी रूप से मुस्तैद करने का फैसला लिया गया है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुरक्षित माहौल मिलेगा। बिना किसी खतरे के दर्शन की व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूती मिलेगी। तहसील सदर स्थित ग्राम किला कोहना और सरैताबाद में 4.19 एकड़ सरकारी भूमि गृह मंत्रालय को निःशुल्क पट्टे पर आवंटित की जाएगी। इसकी एक बटालियन पहाड़िया में पहले से ही है। चंदौली के चकिया में इसका मुख्यालय है। बाबा विश्वनाथ धाम की सुरक्षा में पहली बार सीआरपीएफ की एक टुकड़ी लगाई गई थी। वहीं, शहर में कई जगहों पर हुए आतंकवादी विस्फोट के बाद साल 2007 में सीआरपीएफ की 95वीं बटालियन को काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी परिसर की सुरक्षा में लगाई गई थी। वहां पहले से 40वीं बटालियन की तैनाती है। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई है कि इस निर्णय से धाम की सुरक्षा व्यवस्था को संस्थागत मजबूती मिलेगी। साथ ही आपात परिस्थितियों में सुरक्षा बलों की त्वरित उपलब्धता और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। एक्शन लेने के समय में कमी आएगी। स्तरीय और अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है। इसी आवश्यकता के दृष्टिगत केंद्रीय सुरक्षा बलों की स्थायी तैनाती के लिए भूमि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

अस्सी घाट पर मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण में 10 दिन में कार्रवाई, गंगा से दूरी पर मांगा स्पष्टीकरण

एजेंसी

वाराणसी अस्सी घाट पर मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण में 10 दिन में कार्रवाई का आदेश दिया गया। एनजीटी ने सुनवाई के दौरान कहा कि कार्रवाई में चार सप्ताह की देरी से निर्माण पूरा हो सकता है। वाराणसी के अस्सी घाट पर प्रस्तावित मैकेनाइज्ड मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। अधिकरण ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन मिलने के 10 दिनों के भीतर मामले में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एनजीटी ने सुनवाई के दौरान कहा कि कार्रवाई में चार सप्ताह की देरी से निर्माण पूरा हो सकता है। बाद में उसे हटाने की नौबत आई तो सरकारी धन बर्बाद होगा। सुनवाई में सामने आया कि उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) ने पार्किंग परियोजना के लिए एनएमसीजी से पहले अनुमति मांगी थी, लेकिन जरूरी दस्तावेज और स्पष्टीकरण नहीं देने पर मिशन ने 28 अक्तूबर को प्रस्ताव वापस कर दिया था। एनएमसीजी ने 19 नवंबर को जारी पत्र में यह जानकारी दी। मिशन ने जिला गंगा समिति और वाराणसी के जिलाधिकारी को भी निर्माण की स्थिति, आवश्यक अनुमतियों और शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है।जज प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता के वकील सौरभ तिवारी ने आरोप लगाया कि गंगा तट पर स्थायी निर्माण पर्यावरणीय प्रावधानों और इलाहाबाद हाईकोर्ट के 27 जुलाई 2012 के आदेश के विपरीत है। उस आदेश में गंगा के उच्चतम बाढ़ स्तर से 200 मीटर के भीतर निर्माण रोकने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने गंगा प्राधिकरण आदेश, 2016 के उस प्रावधान का भी हवाला दिया जिसमें नदी और सक्रिय बाढ़ क्षेत्र में निर्माण प्रतिबंधित है। एनजीटी ने एनएमसीजी से तत्काल जिलाधिकारी से संपर्क करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 12 जनवरी को होगी। जिलाधिकारी से उसी दिन संपर्क करने को कहा पीठ ने कहा कि जिला गंगा संरक्षण समिति सीधे एनएमसीजी के अधिकार क्षेत्र से संबंधित है। वाराणसी के जिलाधिकारी इस समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। एनएमसीजी के अधिवक्ता को निर्देश दिया गया कि वह तत्काल जिलाधिकारी वाराणसी से संपर्क स्थापित करें और उसी दिन उनसे बात करें ताकि मामले में जल्द से जल्द विधि के अनुसार निर्णय लिया जा सके।

सुनवाई की शुरूआत में पीठ ने निर्माण को सार्वजनिक उपयोगिता से जुड़ा बताते हुए निर्माण स्थल की वास्तविक स्थिति और गंगा नदी से उसकी दूरी स्पष्ट करने को कहा। इस संबंध में सिंचाई विभाग से सत्यापन कराने की आवश्यकता पर भी टिप्पणी की गई। इसके बाद याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने फोटोग्राफ और उपलब्ध साक्ष्यों के माध्यम से निर्माण स्थल की स्थिति न्यायाधिकरण के सामने रखी। उन्होंने कहा कि निर्माण गंगा के तटवर्ती क्षेत्र में हो रहा है। इसे सामान्य सार्वजनिक निर्माण मानकर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

सहालग में होंगी 2200 शादियां, 600 करोड़ के पार होगा कारोबार; कल से घरों में बजेगी शहनाई

एजेंसी

वाराणसी कल से घरों में शहनाई बजेगी। लगन को लेकर मैरिज लॉन, बैंक्वेट हॉल और होटल फुल हो गए हैं। इस बार 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच विवाह के मुहूर्त हैं। चातुर्मास के समापन के साथ ही शुक्रवार (देवोत्थान एकादशी) से मांगलिक कार्यों की शुरूआत होने जा रही है। इसके साथ ही काशी के बाजारों में सहालग की जबरदस्त रौनक लौट आई है। इस बार 13 दिनों के लग्न मुहूर्त में 2200 से ज्यादा शादियां होने का अनुमान है। कारोबारियों के मुताबिक, 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच शादी-ब्याह इस सीजन से 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होगा।वाराणसी टेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता बताते हैं कि सहालग के लिए शहर के भीतर स्थित सभी मैरिज लॉन, बैंक्वेट हॉल और होटल पहले ही फुल हो चुके हैं। स्थिति यह है कि अब लोगों को मांगलिक कार्यक्रमों के लिए शहर की सीमा से 10 किलोमीटर दूर ग्रामीण और बाहरी इलाकों में भी लॉन या गेस्ट हाउस में जगह नहीं मिल पा रही है। लॉन संचालक वीरेंद्र पटेल बताते हैं कि जिन परिवारों ने पहले से बुकिंग नहीं कराई थी, उन्हें वैवाहिक आयोजन स्थल तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। सराफा, ऑटोमोबाइल और कैटरिंग सेक्टर में बंपर उछाल

वैवाहिक सीजन के चलते शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में खरीदारी तेज हो गई है। इस 600 करोड़ रुपये के कारोबार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी सराफा, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर की रहने वाली है। उदय बजाज ऑटो के डीलर यूआर सिंह के मुताबिक, गहनों और परिधानों के साथ-साथ उपहार में देने के लिए दोपहिया और चार पहिया वाहनों की एडवांस बुकिंग में भी बढ़ोतरी हुई है। शो रूम पर रेट और ऑफर्स पूछने के लिए दिन भर फोन बज रहे हैं। इसके अलावा कैटरिंग, टेंट, लाइटिंग, बैंड-बाजा और फ्लावर डेकोरेशन से जुड़े कारोबारियों के पास भी काम की भरमार है।

रूप लाल को पड़ चुका ब्रेन स्ट्रोक, कार्यालय पहुंचे पीड़ित, बोले- फंड के लिए दौड़ाया जा रहा

एजेंसी

कानपुर। छावनी परिषद में सीबीआई के छापे के दौरान जहां रिटायर सफाई नायक रूप लाल के ब्रेन स्ट्रोक व हृदय रोग से पीड़ित होने की बात सामने आई है। वहीं, कार्रवाई की सूचना पर रात में शुक्लागंज निवासी आकाश कुमार यादव और सौरभ धानविक सहित अन्य पीड़ित कार्यालय पहुंचे और फंड व नौकरी के लिए दौड़ाए जाने की पीड़ा बताई।



कानपुर छावनी परिषद कार्यालय में सीबीआई के छापे के दौरान कार्यालय के पास मौजूद कुछ कर्मियों और उनके परिजन ने बताया कि सफाई नायक के पद से सेवानिवृा रूप लाल 10 साल से अपनी पेंशन और फंड के लिए कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। इसी तनाव के दौरान उन्हें ब्रेन स्ट्रोक पड़ा था। इसके बाद हृदय की भी बीमारी हो गई। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने घूस की रकम देने में असमर्थता जताई। छापे का पता चलते ही रात में शुक्लागंज निवासी आकाश कुमार यादव, सौरभ धानविक कार्यालय के बाहर पहुंचे। आकाश ने बताया कि उसके पिता रमेश चंद्र यादव छावनी परिषद में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। 27 अक्तूबर 2018 को उनका निधन हो गया था। उनका पांच लाख रुपये फंड बकाया है। इस धनराशि और मृतक आश्रित के तौर पर नौकरी के लिए वह तभी से दफ्तर के चक्कर लगा रहे हैं। इसी तरह सौरभ धानविक ने बताया कि 30 जून 2023 को उसकी दादी रामवती सेवानिवृा हुई थीं। उनको अभी तक फंड नहीं मिला है। सीबीआई के छावनी परिषद की अधिकारी वंदना को गिरफ्तार करने का पता चलने पर रात करीब साढ़े 12 बजे कुछ रिश्तेदार छावनी परिषद के बाहर पहुंचे। अनुमति मिलने के बाद वे परिषद के कार्यालय के अंदर गए और वंदना से मुलाकात की। सात साल में तीसरी बार फिर मारा छापा कैंटोनमेंट बोर्ड (छावनी परिषद) में सीबीआई ने बृहस्पतिवार को फिर से छापा मारा। सात साल में तीसरी बार सीबीआई यहां आई है। छह सितंबर 2023 को सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने छावनी परिषद कार्यालय में छापा मारकर वरिष्ठ लिपिक और एक अन्य कर्मचारी को कथित तौर पर रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा था। भुगतान और पेंशन निर्धारण के लिए मांगी गई थी घूस 30 जून 2023 को सेवानिवृा हुई फेथफुलगंज निवासी रामवती से तत्कालीन वरिष्ठ लिपिक धर्मेंद्र कुमार ने कर्मचारी आनंद कुमार के जरिये पीएफ, ग्रेच्युटी भुगतान से संबंधित रकम दिलाने के एवज में 40 हजार की घूस मांगी थी।रामवती के नाती सौरभ धानुक ने बताया कि बकाया भुगतान और पेंशन निर्धारण के लिए घूस मांगी गई थी। इसके बाद सीबीआई ने वरिष्ठ लिपिक और कर्मचारी को रंगे हाथ घूस लेते गिरफ्तार कर लिया था। बाद में दोनों जेल भेज दिए गए थे। दोनों निलंबित भी कर दिए गए थे। अभी भी दोनों निलंबित चल रहे हैं। वहीं, बताया गया कि 30 अगस्त 2019 को अवैध मोबाइल टॉवर और अतिक्रमण जांच के संबंध में सीबीआई की टीमों ने अनियमितताओं की शिकायतों के आधार पर कैंट बोर्ड कार्यालय में छापेमारी की थी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले गुनाहगार को 20 साल की सख्त सजा के साथ ही सुनाया गया 14 हजार का जुमानां



हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) सिसोलर में 26 जुलाई को 2022 को 11 साल की नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने वाले गुनाहगार के खिलाफ पीड़ित छात्रा की मां की तहरीर पर सिसोलर पुलिस ने गांव के ही मुल्जिम मान सिंह पुत्र भूरा यादव के खिलाफ मु0अ0सं0-113/2022 धारा-376एबी,452,506 आईपीसी सहित 5एम/6 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत स्पेशल पॉक्सो अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने मुल्जिम मान सिंह को धारा- 452,506 भा0द0सं0 व 6 पॉक्सो के तहत गुनाहगार मानते हुये 20 साल की सख्त सजा के साथ ही सुनाया 14 हजार का जुमार्ना। वहीं मामले की जांच तत्कालीन इंस्पैक्टर सुरेश कुमार सैनी ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी। जबकि अभियोजन की तरफ से एडीजीसी रूद्र प्रताप सिंह ने दमदार पैरवी करते हुते अदालत से मुल्जिम को सख़्त सजा देने की मांग की थी।

23 साल पुराने गैंगस्टर एक्ट में आरोपी दोषमुक्त, कोर्ट को नहीं मिले अपराध में शामिल होने के सबूत

एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में 23 साल पुराने गैंगस्टर एक्ट और जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषमुक्त कर दिया।अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष सुनील की घटना में संलिप्तता और गैंग का सक्रिय सदस्य होने के आरोप साबित नहीं कर सका। करीब 23 साल पुराने गैंगस्टर एक्ट और जानलेवा हमले के मामले में अलीगढ़ की विशेष न्यायालय ने सुनील को दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष सुनील की घटना में संलिप्तता और गैंग का सक्रिय सदस्य होने के आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह भी पेश नहीं हुआ। अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) संजय कुमार यादव प्रथम ने 18 नवंबर को यह फैसला सुनाया। अभियोजन के मुताबिक,



पांच जनवरी 2003 को लक्ष्मी टॉकीज के बाहर साइकिल स्टैंड पर काम करने वाले संजय का कुछ दिन पहले साइकिल किराये पर देने को लेकर सुनील और बबलू से विवाद हुआ था। आरोप था कि शाम करीब आठ बजे संजय को टॉकीज के बाहर देखकर सुनील और बबलू ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे मारने के लिए फायरिंग की। मौके पर जुटी भीड़ ने संदीप कुमार उर्फ मोनू, सतेन्द्र उर्फ लालू और अजय कुमार को पकड़ लिया था, जबकि सुनील और बबलू भाग निकले थे। इस मामले में पांचों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से तीन गवाह पेश किए गए। इनमें पुलिसकर्मी और विवेचक के अलावा वादी संजय का भाई राकेश कुमार शामिल था। राकेश ने अदालत में स्वीकार किया कि उसने घटना अपनी आंखों से नहीं देखी थी। मुकदमे के वादी संजय की वर्ष 2005 में मृत्यु हो चुकी थी। अदालत ने पाया कि सुनील के खिलाफ इस मुकदमे के अलावा कोई अन्य आपराधिक इतिहास भी साबित नहीं किया गया। न ही उसके गैंग का सदस्य होने या आपराधिक गतिविधियों से संपत्ति अर्जित करने का कोई साक्ष्य पेश किया गया। इन परिस्थितियों में अदालत ने सुनील को आईपीसी की धारा 147, 148, 307/149 और गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। वहीं, इसी मामले के तीन अन्य आरोपी संदीप, सतेन्द्र और अजय के खिलाफ सुनवाई उनकी अनुपस्थिति में धारा 299 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत संचालित की गई थी। अदालत ने उनके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने और पुलिस को फरारी रजिस्टर में नाम दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उनके अदालत में पेश होने या पकड़े जाने पर आगे की सुनवाई की जाएगी।

फ्रेंड्स कॉलोनी में रास्ता बंद करने पर रोक, निगम ने लगाए लाल निशान; तीन दिन का अल्टीमेटम

एजेंसी

आगरा। के शाहगंज स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में सार्वजनिक रास्ते पर तीन पिलर खड़े कर गेट लगाने की तैयारी को नगर निगम ने रुकवा दिया। निगम की टीम ने लाल निशान लगाकर संबंधित पक्ष को तीन दिन में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है। आगरा के शाहगंज स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में आम रास्ते पर पिलर खड़े कर गेट लगाने की तैयारी के बीच नगर निगम ने बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण पर लाल निशान भी लगाए। साथ ही संबंधित पक्ष को तीन दिन में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई है। आरोप लगाया गया कि कॉलोनी के मकान संख्या 31-ए एमआईजी के सामने सार्वजनिक मार्ग पर तीन पिलर बना दिए गए थे। गेट



लगाकर रास्ता बंद करने की तैयारी थी। स्थानीय निवासियों का आवागमन बाधित होने की आशंका थी। कॉलोनी के अध्यक्ष सुधीर टंडन और क्षेत्रीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन से इसकी शिकायत की। अवर अभियंता मुकेश कुमार के नेतृत्व में निगम की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। अतिक्रमण चिह्नित करते हुए लाल निशान लगाए और चेतावनी दी कि दी गई समय सीमा में पिलर नहीं हटे तो उन्हें तोड़ दिया जाएगा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य का कहना है कि आमजन के आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं हैं। तय समय में कब्जा न हटने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

घर के पीछे तालाब में मिला भाजपा बूथ अध्यक्ष का शव, 31 साल की उम्र में मौत

एजेंसी

आगरा। के मलपुरा क्षेत्र के कबूलपुर गांव में 31 वर्षीय भाजपा बूथ अध्यक्ष नागेंद्र का शव घर के पीछे तालाब में उतराता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। आगरा-ग्वालियर रोड स्थित गांव कबूलपुर में बृहस्पतिवार को तालाब में डूबने से 31 वर्षीय भाजपा के बूथ अध्यक्ष की मौत हो गई। उनका शव घर के पीछे स्थित तालाब में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कबूलपुर निवासी नागेंद्र बृहस्पतिवार देर रात किसी कार्यक्रम से अपने घर पहुंचे थे। मृतक के चाचा दारा सिंह ने बताया कि अचानक तबीयत खराब होने के बाद वह घर के पीछे स्थित तालाब के किनारे टहलने के लिए चले गए थे। मृतक के भाई करतार



ने बताया कि करीब चार बजे उन्हें तालाब में नागेंद्र का शव उतराता दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन उन्हें बाहर निकालकर उपचार के लिए ले जाने की तैयारी में जुटे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। नागेंद्र की मौत की खबर से पत्नी रोशनी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनके दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं। पिता वीरेंद्र सिंह खेती करते हैं। नागेंद्र सोलर पैनल का कार्य करते थे, वह राजनीति में भी सक्रिय थे। भाजपा के बरौली अहीर मंडल अध्यक्ष हरिमोहन कुशवाहा ने बताया कि नागेंद्र 271 बूथ के अध्यक्ष थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। एसीपी सैया जसवीर सिंह सिरोही ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जांच की जा रही है।

सितारों की एक झलक को उमड़ा जनसैलाब, जिले में फिल्म की शूटिंग करने का वादा

एजेंसी

वाराणसी अभिनेता इमरान हाशमी ने कहा कि वह मुंबई जाकर फिल्म प्रोड्यूसर से जौनपुर में फिल्म की शूटिंग कराने की बात करेंगे। वहीं, अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने लोगों का अभिवादन करते हुए कहा, 'नमस्ते जौनपुर, आई लव यू'। दोनों सितारों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बॉलीवुड सितारों की एक झलक पाने के लिए बृहस्पतिवार को मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज का मैदान प्रशंसकों से खचाखच भर गया। फिल्म गन मास्टर जी9 के प्रमोशन के लिए पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी, अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख और सह अभिनेता पूर्व आईएएस अभिषेक

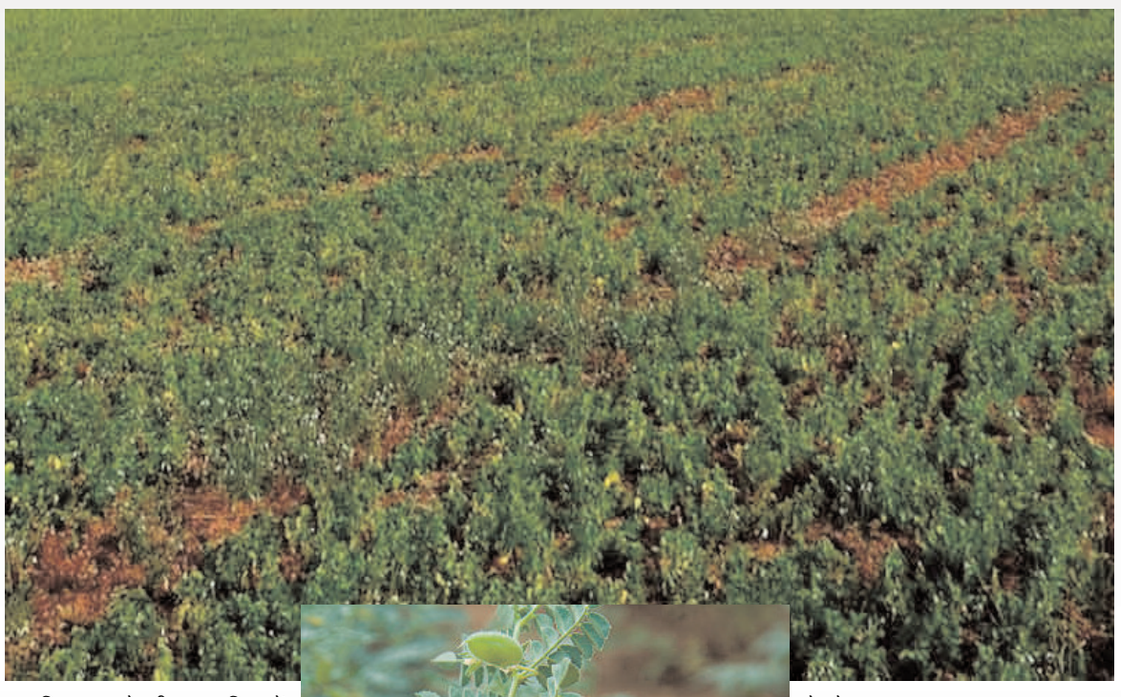


सिंह का लोगों ने स्वागत किया। इमरान हाशमी ने जौनपुर में फिल्म की शूटिंग कराने का वादा किया तो मैदान तालियों से गूंज उठा। उन्होंने कहा कि मुंबई जाकर प्रोड्यूसर से जौनपुर में फिल्म की शूटिंग कराने को कहूंगा। दोपहर बाद अभिषेक सिंह की अगुवाई में सितारों का काफिला शहर में दाखिल हुआ। पॉलीटेक्निक और वाजिदपुर तिराहे पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इसके बाद काफिला जेसीज चौराहा, ओलंदगंज, चहारसू चौराहा और कोतवाली होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचा। सुबह 11 बजे से ही प्रशंसकों का जुटना शुरू हो गया था। मैदान भरने के बाद सड़क तक भीड़ लग गई। कई लोग छतों, दीवारों और पेड़ों पर चढ़कर कार्यक्रम देखते नजर आए। बॉलीवुड अभिनेता सितारों के पहुंचते ही इमरान-इमरान के नारों से मैदान गूंज उठा। मंच से इमरान ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया और कहा कि जौनपुर के लोगों का इतना प्यार और उत्साह देखकर दिल खुश हो गया। यहां के लोगों का प्यार कभी नहीं भूल सकता। जल्द दोबारा जौनपुर आने का भी वादा किया। वहीं, अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने नमस्ते जौनपुर, आई लव यू कहकर लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने यहां के अपनापन और उत्साह की सराहना की। सह अभिनेता अभिषेक सिंह ने युवाओं से 27 नवंबर को सिनेमाघरों में फिल्म देखने की अपील की। कलाकारों ने फिल्म के संवाद सुनाए और प्रशंसकों से बातचीत की। इमरान ने उनके साथ सेल्फी भी ली। फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉलीवुड सितारों की एक झलक पाने के लिए मोहम्मद हसन कॉलेज के मैदान में सुबह 11 बजे से ही प्रशंसकों का पहुंचना शुरू हो गया था। समय बीतने के साथ युवाओं की भीड़ बढ़ती गई। हालांकि, कार्यक्रम स्थल पर पानी की व्यवस्था नहीं होने से प्रशंसकों को परेशानी उठानी पड़ी। भीड़ में एक युवती गश खाकर गिर पड़ी। अभिनेता इमरान हाशमी शाम करीब साढ़े चार बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। वह लगभग आधे घंटे तक वहां रहे। अपने पसंदीदा अभिनेता को सामने देखकर युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कई प्रशंसक मोबाइल से उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाने में जुटे रहे। कुछ युवतियां इमरान हाशमी की तस्वीर लेकर भी पहुंची थीं। सितारों की एक झलक पाने के लिए युवा काफी देर तक मैदान में डटे रहे।

हिंदी दैनिक
सब का सपना

किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती,

कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार





किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती, कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार; जानिए खासियत और लाभ – रबी फसलों की बुवाई का सीजन चल रहा है। इस सीजन में किसान मुख्य तौर पर चना, गेहूं और सोयाबीन की फसल बोते हैं। ऐसे में अन्नदाताओं को अच्छी किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है ताकि वह अच्छी पैदावार लें सके। हालांकि, बाजार में रबी फसलों की बहुत सी अधिक उत्पादन देने वाली किस्में हैं मौजूद है लेकिन इनकी जानकारी हर किसान को नहीं होती है। ऐसे में यहां हम आपको चने की अधिक उत्पादन देने वाली टॉप 3 किस्मों की जानकारी देंगे, ताकि आप कम लागत और समय में बढ़िया मुनाफा कमा सकें। आइए जानें किस्नों की खासियत और लाभ।किसान क्रेडिट कार्ड

1. बिदिशा (बीजी 1084) डब्ल्यूबीजी 29 — पश्चिम बंगाल के किसानों के लिए वरदान
   - रिलीज वर्ष: 2015 (एसवीआरसी)
   - उद्गम केंद्र: बेरहामपुर, पश्चिम बंगाल
   - औसत उपज: लगभग 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - परिपक्वता अवधि: 131 दिन
   - उपयुक्त क्षेत्र: पश्चिम बंगाल
   - विशेष लक्षण: पछेती बुवाई की स्थिति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन
   - मुख्य विशेषता: छोटे बीजों वाली मध्यम परिपक्व देसी किस्म (12–14 ग्राम प्रति 100 बीज)

   यह किस्म देरी से बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयुक्त है और उपज के मामले में अन्य देसी किस्मों से काफी बेहतर मानी जाती है।
2. बीडीएनजीके 798 — महाराष्ट्र के किसानों के लिए उपयुक्त काबुली किस्म

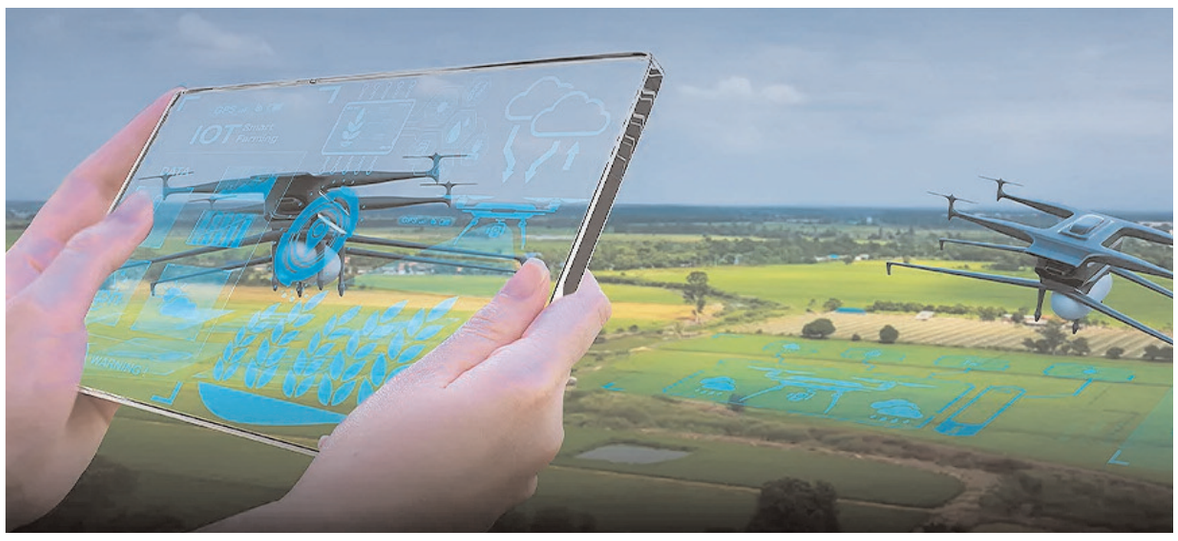
बीज उर्वरक

- रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
- उद्गम केंद्र: एआरएस, जालना
- औसत उपज: 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
- परिपक्वता अवधि: 120–135 दिन
- उपयुक्त क्षेत्र: महाराष्ट्र
- विशेष लक्षण: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त
- मुख्य विशेषता: सफेद दानों वाली काबुली किस्म (29 ग्राम प्रति 100 बीज), मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी

यह किस्म न केवल दाने के आकार और रंग के कारण बाजार में लोकप्रिय है, बल्कि इसकी रोग सहनशीलता और उपज क्षमता भी किसानों को अच्छा मुनाफा दिला सकती है।

3. गुजरात जूनागढ़ ग्राम 6 (जीजेजी 6) — उच्च उपज और रोग प्रतिरोधक किस्म
   - रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
   - उद्गम केंद्र: जूनागढ़
   - औसत उपज: 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - परिपक्वता अवधि: 120–130 दिन
   - उपयुक्त क्षेत्र: गुजरात
   - विशेष लक्षण: सामान्य बुवाई के लिए उपयुक्त
   - मुख्य विशेषता: मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति सहिष्णु

गुजरात के किसानों के बीच यह किस्म लोकप्रिय हो रही है क्योंकि यह सामान्य बुवाई में भी बेहतर पैदावार देती है और बीमारियों से सुरक्षित रहती है।



भारत में खेती को बदल रहीं ये आधुनिक तकनीक

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया गया है कि कैसे सात आधुनिक टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र में बदलाव ला रही हैं। खास बात यह है कि इन बदलावों के लिए फोरम ने अपनी रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया है।

भारत की केस स्टडी का रिपोर्ट में हवाला

तकनीक से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता

Agriculture News: वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि जनरेटिव एआई, रोबोटिक्स और उपग्रह-आधारित रिमोट सेंसिंग सहित सात उभरती टेक्नोलॉजी कृषि में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। इन सात उभरती टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर विजन, एज इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), CRISPR (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स) और नैनो टेक्नोलॉजी भी शामिल हैं। ये ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करते हुए लचीलापन और उत्पादकता को बढ़ावा देंगी। रोचक बात यह है कि इस रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट का शीर्षक 'कृषि में गहन-तकनीकी क्रांति को आकार देना' है। इसे उद्योग और शिक्षा जगत, दोनों के हितधारकों के सहयोग से विकसित किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कृषि क्षेत्र वैश्विक स्तर पर संकटों के दौर से गुजर रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण से आजीविका को खतरा

गांवों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन, जलवायु परिवर्तन की तीव्रता और प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर मिट्टी और जल का तेजी से क्षरण उत्पादकता को खतरे में डाल रहे हैं। इससे कृषि पर निर्भर आजीविका के लिए भी खतरा बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (स्नह) के अनुसार वर्ष 2050 तक बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए दुनिया को काफी अधिक खाद्यान्न उत्पादन करने की आवश्यकता होगी। यह लक्ष्य बढ़ते दबावों को देखते हुए हासिल करना होगा, क्योंकि दुनिया की एक-तिहाई मिट्टी का क्षरण हो चुका है, 71 प्रतिशत एक्रीफर समाप्त हो चुके हैं और औसत किसान की उम्र लगभग 60 वर्ष हो रही है।

टेक्नोलॉजी में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता

विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने कहा कि इन सात तकनीकी क्षेत्रों में फसलों की खेती, निगरानी, संरक्षण और वितरण के तरीकों में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता है, जिससे पूरे कृषि क्षेत्र में उत्पादकता, स्थिरता और लचीलेपन में सुधार होगा। रिपोर्ट में ऑटोनोमस स्वार्म रोबोटिक्स, प्रिसिजन कृषि प्रबंधन, एजेंटिक एआई सिस्टम और कार्बन रिपोर्टिंग जैसे उच्च-प्रभावी उपयोग के मामलों के लिए इन टेक्नोलॉजी की क्षमता पर भी प्रकाश डाला गया है।

सरकारों से तालमेल बनाए रखने का आग्रह

इसमें कई उदाहरण भी दिए गए हैं। मसलन, जलवायु-अनुकूल चावल की किस्में जो 20 प्रतिशत कम उत्सर्जन करती हैं, गन्ने में प्रिसिजन खेती जिससे पैदावार में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुईहै, और सप्लाई चेन जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने और कार्बन वित्त पोषण को बढ़ावा देने के लिए रिमोट सेंसिंग के उपयोग को प्रदर्शित किया गया है।

WEF ने गहन तकनीकी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है जो कृषि प्रणालियों की समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही इसने सरकारों से तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए चुस्त नीतियों और नियामक सैंडबॉक्स को अपनाने का आग्रह किया है।

कृषि पहल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

यह रिपोर्ट विश्व आर्थिक मंच की कृषि पहल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI4AI) की तरफ से जारी की गई है। वर्ष 2021 से AI4AI पहल ने भारत में 895,000 से अधिक किसानों को डिजिटल तकनीक प्रदान की है। AI4AI ने कृषि में टेक्नोलॉजी के परिवर्तनकारी प्रभाव को दिखाने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और नागरिक समाज सहित बहु-हितधारक साझेदारियों को बढ़ावा दिया है। भारत में सीखे गए सबक के आधार पर AI4AI ने सऊदी अरब, कोलंबिया और ब्राजील में भी इसी तरह की पहल की अवधारणा का समर्थन किया है। WEF ने कहा कि अनियमित वर्षा और बढ़ते तापमान के कारण कई बागवानी फसलों को लगभग 65 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

भारत की केस स्टडी का हवाला

रिपोर्ट में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा देश में जलवायु-अनुकूल चावल विकसित करने की एक केस स्टडी का हवाला दिया गया है। फसल-सुधार की पारंपरिक विधियों में प्रजनन चक्र लंबा होता है और प्रिसिजन सीमित होता है। इससे उभरते जलवायु और रोग संकट के दबावों से निपटने के लिए किस्मों का विकास धीमा हो जाता है।

इस समस्या से निपटने के लिए ICAR के शोधकर्ताओं ने CRISPR-आधारित जीनोम संपादन का उपयोग करके चावल की दो किस्में विकसित कीं। पहली, DRR 100 ने सूखे, लवणता और जलवायु के दबावों के प्रति सहनशीलता में सुधार किया है। ICAR का दावा है कि इससे उपज में 19 प्रतिशत की वृद्धि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 20 प्रतिशत की कमी हो सकती है। दूसरी किस्म, पूसा डीएसटी चावल 1 लवणीय और क्षारीय मिट्टी में यील्ड में 9.66 से 30.4 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती है।

तिलहन की खेती



परिचय

भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती हैढ्ढ भारत के कुल उत्पादन 20 प्रतिशत उत्पादन अकेले गुजरात से होता हैढ्ढ उत्तर प्रदेश में तिल की खेती मुख्यत: बुंदेलखंड के राकर भूमि में तथा मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, आगरा एवम मैनपुरी में शुद्ध एवम मिश्रित रूप से की जाती हैढ्ढ तिल की उत्पादकता बहुत ही कम है सघन पद्धतियाँ अपनाकर उत्पादन बढाया जा सकता हैढ्ढ

जलवायु

तिल की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु अ ो र



भूमि की आवश्यकता पड़ती है

तिल के लिए शीतोषण जलवायु उपयुक्त होती है मुख्यत : बरसात या खरीफ में इसकी खेती की जाती है यह बहुत ही ज्यादा बरसात या सूखा पड़ने पर फसल अच्छी नहीं होती हैढ्ढ इसके लिए हल्की भूमि तथा दोमट भूमि अच्छी होती हैढ्ढ यह फसल पी एच 5.5 से 8.2 तक की भूमि में उगाई जा सकती हैढ्ढ फिर भी यह फसल बलुई दोमट से काली मिट्टी में भी उगाई जाती हैढ्ढ

प्रजातियां

तिल की जो उन्नतशील प्रजातियाँ है उनके बारे में जाने किसान भाईयो को बताईये उन उन्नतशील प्रजातियों के बारे में

तिल की कई प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे की टाईप 4, टाईप12, टाईप13, टाईप78, शेखर, प्रगति, तरुण, कृष्णा, एवम बी.63 प्रजातियाँ हैढ्ढ

भूमि की तैयारी

फसल की तैयारी के लिए अपने खेतों की तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए

खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा दो-तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से करके खेत में पाटा लगाकर भुरभुरा बना लेना चाहिएढ्ढ इसके पश्चात ही बुवाई करनी चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद को आखिरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ

बीज और बुआई

तिल की फसल में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर कितनी लगती है और बीज का शोधन हमारे किसान भाई किस प्रकार करे

एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए तीन से चार किलोग्राम बीज पर्याप्त होता हैढ्ढ बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करना चाहिएढ्ढ

तिल की बुवाई किस समय और किस विधि द्वारा करनी चाहिए

तिल की बुवाई का उचित समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का दूसरा पखवारा माना जाता हैढ्ढ तिल की बुवाई हल के पीछे लाइन से लाइन 30 से 45 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को कम गहराई पर करते हैढ्ढ

पोषण प्रबंधन

फसल में खाद एवम उर्वरको का प्रयोग कब करना चाहिए और कितनी मात्रा में करना चाहिए

उर्वरको का प्रयोग भूमि परीक्षण के आधार पर करना चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी करते समय आख़िरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ इसके साथ ही साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 15 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ रकार तथा भूड भूमि में 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस,पोटाश एवम गंधक की पूरी मात्रा बुवाई के समय बेसल ड्रेसिंग में तथा नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम निराई-गुडाई के समय खड़ी फसल में देना चाहिएढ्ढ

सिंचाई प्रबंधन

सिंचाई प्रबंधन तिल की फसल में कब होना चाहिए किस प्रकार होना चाहिए इस बारे में बताईये

वर्षा ऋतू की फसल होने के कारण सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ फसल में 50 से 60 प्रतिशत फलत होने पर एक सिंचाई करना आवश्यक हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो सिंचाई करना आवश्यक होता हैढ्ढ

निराई-गुडाई

तिल की फसल में निराई-गुडाई कब करनी चाहिए और खरपतवारों के नियंत्रण हेतु क्या उपाय करने चाहिए

किसान भाईयो प्रथम निराई-गुडाई बुवाई के 15 से 20 दिन बाद दूसरी 30 से 35 दिन बाद करनी चाहिएढ्ढ निराई-गुडाई करते समय थिनिंग या विरलीकरण करके पौधों के आपस की दूरी 10 से 12 सेंटीमीटर कर देनी चाहिएढ्ढ खरपतवार नियंत्रण हेतु एलाक्लोर50 ई.सी. 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर बुवाई के बाद दो-तीन दिन के अन्दर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ

रोगों पर नियंत्रण

रोगों पर नियंत्रण हमें कैसे करना चाहिए इस पर जानकारी दे रहे है

इसमे तिल की फिलोड़ी अवम फाईटोप्थोरा झुलसा रोग लगते हैढ्ढ फिलोड़ी की रोकथाम के लिए बुवाई के समय कूंड में 10जी. 15 किलोग्राम या मिथायल-ओ-डिमेटान 25 ई.सी 1 लीटर की दर से प्रयोग करना चाहिए तथा फाईटोप्थोरा झुलसा की रोकथाम हेतु 3 किलोग्राम कापर आक्सीक्लोराइड या मैन्कोजेब 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकतानुसार दो-तीन बार छिड़काव करना चाहिएढ्ढ

कीट प्रबंधन

कौन-कौन से कीट तिल की फसल में लग सकते है और उनका नियंत्रण हमें किस प्रकार करना चाहिए

तिल में पत्ती लपेटक अवम फली बेधक कीट लगते हैढ्ढ इन कीटों की रोकथाम के लिए क्यूनालफास 25 ई.सी. 1.25 लीटर या मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से छिड़काव करना चाहिएढ्ढ

कटाई एवं मड़ाई

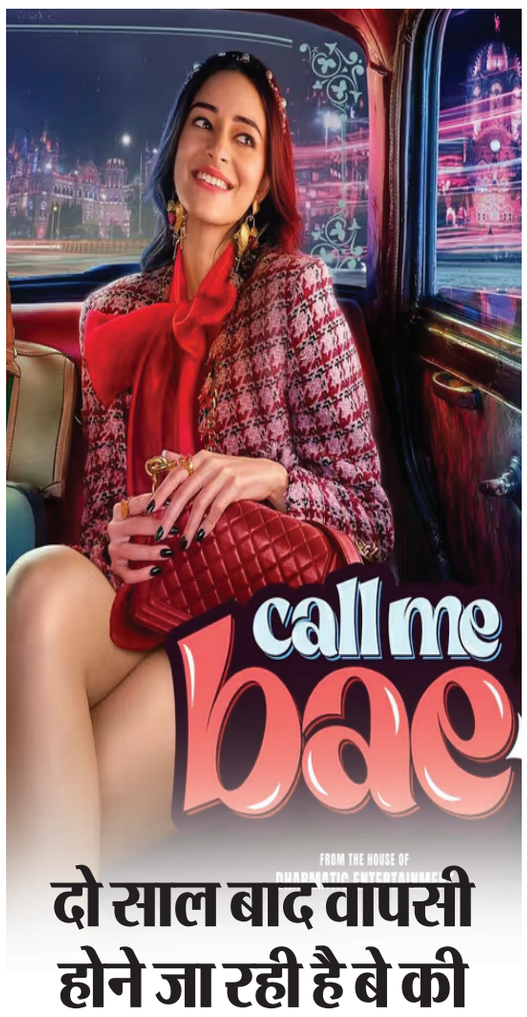
तिल की फसल की कटाई एवम मड़ाई का सही समय क्या है कब करनी चाहिए

तिल की पत्तियां जब पीली होकर गिरने लगे तथा पत्तियां हरा रंग लिए हुए पीली हो जावे तब समझना चाहिए की फसल पककर तैयार हो गयी हैढ्ढ इसके पश्चात कटाई पेड़ सहित नीचे से करनी चाहिएढ्ढ कटाई के बाद बण्डल बनाकर खेत में ही जगह जगह पर छोटे-छोटे ढेर में खड़े कर देना चाहिएढ्ढ जब अच्छी तरह से पौधे सूख जावे तब डंडे छड आदि की सहायता से पौधों को पीटकर या हल्का झाड़कर बीज निकाल लेना चाहिएढ्ढ

पैदावार

तिल की फसल से लगभग प्रति हेक्टेयर कितनी पैदावार हमें प्राप्त हो जाती है

तकनीकी तरीको से खेती करने पर तिल की पैदावार 7 से 8 कुन्तल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती हैढ्ढ



दो साल बाद वापसी होने जा रही है बे की

सीरीज कॉल मी बे में बेला बे चौधरी के किरदार से बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। करण जौहर द्वारा समर्थित इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद बे की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या बे के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती हैं, मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो। कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा। आने वाले सीजन में बे की लव लाइफ और भी उलझने वाली है, जिससे उसके दिल और उसके बहन कोड दोनों की परीक्षा होगी। कॉलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉल मी बे सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। सोमेन मिश्रा और कॉलिन डीकुन्हा इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर, रोहित नायर और नितल चंदरना ने लिखा है। नए सीजन में पुरानी कास्ट की वापसी होगी, जिसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कॉल मी बे के दूसरे सीजन में श्रुति हासन की एंट्री होने वाली है। इसके अलावा, वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए, प्रोड्यूसर करण जौहर ने कहा, सीजन 1 को मिले प्यार और रिस्पॉन्स ने यह साबित कर दिया कि दर्शक बे के उतार-चढ़ाव भरे सफर और जिंदगी को लेकर उसके बेबाक नजिरिए से गहराई से जुड़ गए थे। सीजन 2 के जरिए हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते हैं। इसमें हम बे के नए पहलुओं को दिखाएंगे, साथ ही उस मजाक, जज्बात और बेबाक अंदाज को भी बनाए रखेंगे, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। हम प्राइम वीडियो के साथ फिर से जुड़कर दर्शकों के सामने बे की जिंदगी का एक नया पड़ाव लाने के लिए उत्साहित हैं।

इसमें बे और उसकी प्यारी सहेलियां एक ऐसे नए सफर पर निकलेंगी, जो हंसी-मजाक, भावनाओं और ढेर सारी उथल-पुथल से भरा होगा। यह सीरीज बेला बे चौधरी की कहानी है, जो दक्षिण दिल्ली की एक अमीर सोशलिट हैं। उनका आलीशान जीवन तब अचानक बदल जाता है, जब उनका परिवार उन्हें बेदखल कर देता है। इसके बाद उन्हें मुंबई में अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अनन्या पांडे को उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी के लिए काफी तारीफ मिली। कई दर्शकों को यह शो मनोरंजक, हल्का-फुल्का और एक बार में पूरा देख लेने लायक लगा। वीर दास को भी एक टीवी न्यूज एंकर के रूप में उनके अभिनय के लिए काफी सराहा गया।



अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की।

रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।

प्रियंका ने याद किया अभिषेक संग शरारत

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ की गई एक पुरानी और मजेदार शरारत को याद किया है। प्रियंका ने बताया कि एक बार उन्होंने अभिषेक का फोन छुपा दिया था और उससे अभिनेत्री रानी मुखर्जी को एक मैसेज भेजा।



गौरतलब है कि अभिषेक और रानी के अपने-अपने जीवनसाथी से शादी करने से पहले उनके बीच प्रेम संबंध होने की खबरें थीं। प्रियंका ने कहा कि अभिषेक ने ही सबसे पहले उनका फोन चुराकर इस शरारत की शुरुआत की थी, और उन्होंने इसे अभिषेक पर पलटवार करने का एक मौका समझा। प्रियंका ने अपने मैसेज में लिखा था, मुझे तुम्हारी याद आ रही है, तुम कहां थीं? क्या तुमज रानी मुखर्जी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, हाय एबी, क्या हुआ है तुम्हें? बाद में यह बात सामने आई कि प्रियंका को इस घटना के बारे में जिसने बताया था, वह संभवत : अभिषेक ही थे।

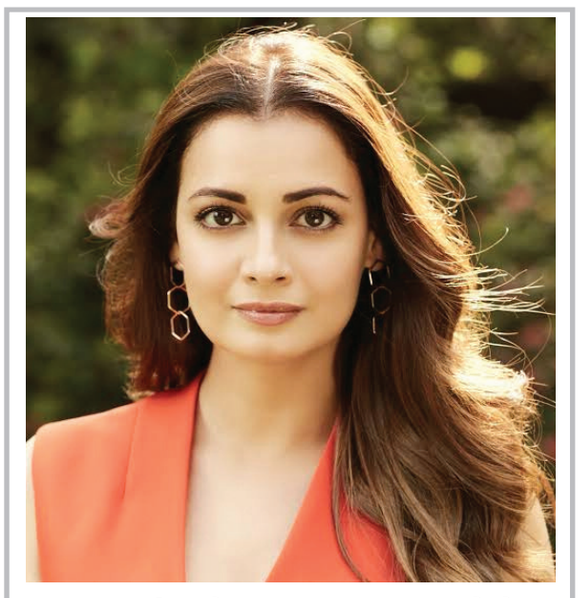
ग्रीस में छुट्टियां मना रहे सैफरीना

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक, करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों ग्रीस में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर इस फैमिली ट्रिप की कुछ मनमोहक झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं। इन तस्वीरों में कपल सूर्यास्त के खूबसूरत नज़ारे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए एकदम परफेक्ट नजर आ रहा है। एक तस्वीर में सैफ अली खान एक साइनबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं, जिस पर सनसेट लिखा है। उन्होंने इसके साथ लिखा, अगर कोई शक हो तो। करीना के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए सैफ ने मजाकिया कैप्शन में लिखा, सनसेट तो मुख्य आकर्षण होना चाहिए था, लेकिन कोई मेरा ध्यान भटका रहा है। दूसरी तस्वीर में सैफ, पत्नी करीना और छोटे बेटे जेह के साथ एक प्यारी-सी सेल्फी ले रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सीन ने की शानदार कमाई



बाक्स ऑफिस पर रामायण के बीच सीन ने भी शानदार कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। यह फिल्म सूर्या के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.21 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म ने नौवें दिन टोटल 16.21 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं आठवें दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में 53.21 परसेंट की ग्रोथ दिखी। फिल्म ने इंडिया में नेट 126.8 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 149.63 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 78.7 करोड़ की बिजनेस किया। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.33 करोड़ का बिजनेस किया। इसी के साथ सीन सूर्या के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने विश्वनाथ एंड सन्स ने 212.23 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सीन ने 228.33 करोड़ कमा लिए हैं। अब सीन से आगे करुप्पु है सूर्या के करियर की टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में करुप्पु नंबर वन पर है। फिल्म ने 315 करोड़ कमाए। दूसरे नंबर पर सीन है। फिल्म ने 9 दिनों में 228.33 करोड़ कमाए। विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है। इस फिल्म ने 212.23 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे नबंर पर सिंघम 2 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ कमाए। पांचवें नंबर 24 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ का बिजनेस किया। छठें नंबर पर कंगुवा है। फिल्म ने 107.03 करोड़ का बिजनेस किया। सातवें नंबर पर 7 अमअरिवु है। फिल्म ने 105.2 करोड़ की कमाई की। आठवें नंबर पर सिंघम 3 है। इस फिल्म ने 104.6 करोड़ कमाए। नौवें नंबर पर रेट्रो है। इस फिल्म ने 9.48 करोड़ की कमाई की।



नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया।

हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है। उन्होंने इस विवाद के पीछे की पूरी वजह भी साझा नहीं की है। दूसरी ओर, खबर लिखे जाने तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने अभिनेत्री की बात को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का संदर्भ जानने की इच्छा जताई। वहीं, कई यूजर्स ने इसे किसी आने वाली फिल्म, विज्ञापन या नए प्रोजेक्ट से जोड़कर देखा। उनका मानना है कि मनोरंजन जगत में कई बार कलाकारों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी परियोजना का प्रचार किया जाता है। ऐसे में दीया की इस टिप्पणी को लेकर भी कुछ लोगों ने संदेह जताया।



एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह भी प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। एक अन्य यूजर ने दोनों कलाकारों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या की तुलना करते हुए प्रतिक्रिया दी। वहीं, एक यूजर ने कहा कि अब दर्शक प्रचार और वास्तविक विवाद के बीच अंतर समझने लगे हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कलाकार लगातार विवादों के जरिए अपने प्रोजेक्ट का प्रचार करेंगे, तो भविष्य में लोग उनकी वास्तविक समस्याओं और गंभीर शिकायतों को भी प्रचार समझकर नजरअंदाज कर सकते हैं। एक अन्य टिप्पणी में दीया की अभिनय क्षमता पर भी निशाना साधा गया। फिलहाल इस पूरे मामले में दीया मिर्जा की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं आया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की प्रतिक्रिया का भी इंतजार है। दोनों कलाकारों के बीच विवाद की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।

अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं। इसके बाद जैकी उस जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे दे देते थे और बदले में उसे दुआएं मिलती थीं। अर्चना ने बताया कि उस समय दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। उनके पास भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे, लेकिन जैकी का दिल बहुत बड़ा था। वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते थे। इसी वजह से कई बार उनके पास खुद के खर्च के लिए पैसे कम पड़ जाते थे। जब जैकी श्रॉफ ने यह पुराना वीडियो देखा, तो उन्होंने अर्चना को पांच रुपये के बदले 500 रुपये लौटाए। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पांच रुपये के बदले 500 रुपये। इस पर अर्चना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कपिल के शो में उनकी पहली कमाई है।

जैकी ने इस दौरान अपनी पुरानी आदत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें शूटिंग के बाद पैसे मिलते थे, तो रास्ते में मिलने वाले जरूरतमंद लोगों की मदद करने में वह रकम खर्च हो जाती थी। कभी किसी का घर जल गया होता, तो कभी किसी के परिवार में शादी होती या किसी के घर बच्चे का जन्म होने वाला होता। ऐसे मौकों पर वह अपनी क्षमता के अनुसार मदद करते थे। अभिनेता ने बताया कि कई बार प्रोडक्शन से जुड़े लोगों को भी पता होता था कि उस दिन उन्हें भुगतान मिलने वाला है। लेकिन घर पहुंचने तक वह पैसे लोगों की मदद में खर्च कर चुके होते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें अर्चना से पैसे उधार लेने पड़ते थे। यह पुराना किस्सा एक बार फिर जैकी श्रॉफ की दरियादिली और अर्चना के साथ उनके पुराने रिश्ते को सामने लाता है।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।